हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 43 : जौनपुर, सोमवार 06 नवम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली के प्राथमिक विद्यालय किए गए बंद

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने रविवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर सभी प्राथमिक विद्यालयों को 10 नवंबर तक के लिए बंद कर दिया गया है। छठी से 12वीं कक्षाओं के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाने का विकल्प दिया गया है। आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा रहने के कारण दिल्ली में प्राथमिक स्कूल 10 नवंबर तक बंद रहेंगे। स्कूलों को छठी से 12वीं तक के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का विकल्प दिया गया है।'' दिल्ली में रविवार को लगातार छठवें दिन जहरीली और घनी धुंध छायी रही और हवा की प्रतिकूल परिस्थितियों खासतौर से रात के दौरान हवा की मंद गति के कारण प्रदूषण स्तर एक बार फिर 'अत्यधित गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया है। वायु गुणवत्ता सूचकांक शनिवार शाम चार बजे के 415 से बढ़कर रविवार को सुबह सात बजे 460 पर पहुंच गया। इससे पहले, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी ।

योगी सरकार का दावा, प्रदेश की 44 हजार से ज्यादा सड़कों को किया गया गढ्ढामुक्त

लखनऊ (एजेन्सी)। योगी सरकार का दावा है कि सरकार ने 2023–24 में अब तक 44 हजार से ज्यादा सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने में सफलता अर्जित की है। सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए गड्ढामुक्ति अभियान के साथ ही नवीनीकरण और रीस्टोरेशन के कार्य को अंजाम दिया गया है। इनमें लोकनिर्माण विभाग के साथ–साथ राष्ट्रीय मार्ग, मंडी परिषद, नगर विकास, ग्राम्य विकास विभाग समेत कुल 10 विभागों ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया है। सीएम योगी ने सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रदेश की तरक्की का मंत्र मानकर इस दिशा में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार ने 2023–24 के लिए 51 हजार से ज्यादा सड़कों को गड्ढामुक्त किए जाने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही करीब 34 हजार सड़कों के नवीनीकरण या रीस्टोरेशन का भी लक्ष्य है। इस तरह कुल मिलाकर करीब 85 हजार से ज्यादा सड़कों को गड्ढामुक्त किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य के सापेक्ष सरकार ने 15 अक्तूबर तक कुल 44 हजार से ज्यादा सड़कों को गड्ढामुक्त करने में सफलता पाई है। इसमें 24 हजार से ज्यादा सड़कों को गड्ढामुक्ति के द्वारा तो करीब 20 हजार से ज्यादा को नवीनीकरण या रीस्टोरेशन के द्वारा गड्ढामुक्त किया गया है। इस तरह से गड्ढामुक्ति के कार्यों का प्रतिशत 48 प्रतिशत तो नवीनीकरण एवं रीस्टोरेशन का प्रतिशत 57 प्रतिशत से ज्यादा रहा है। विभागीय स्तर पर की गई कार्यवाही को देखें तो लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सर्वाधिक करीब 39 हजार सड़कों को गड्ढामुक्त किया है। इनमें केवल गड्ढामुक्ति द्वारा करीब 21 हजार (लक्ष्य का करीब 47 प्रतिशत) तो नवीनीकरण एवं रीस्टोरेशन के द्वारा करीब 18 हजार (लक्ष्य का 63 प्रतिशत) रोड्स का कायाकल्प किया गया। इसी तरह राष्ट्रीय मार्ग के तहत कुल 768 सड़कों को गड्ढामुक्त किया गया है। इसमें 604 सड़कों (लक्ष्य के 77 प्रतिशत से ज्यादा) का गड्ढामुक्ति के तहत तो 164 सड़कों (लक्ष्य के 86 प्रतिशत से ज्यादा) का कायाकल्प करने में सफलता प्राप्त की है। मंडी परिषद ने कुल 377 (369 गड्ढामुक्ति द्वारा और 8 नवीनीकरण एवं रीस्टोरेशन द्वारा) सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने में सफलता हासिल की है। इसी तरह पंचायती राज विभाग ने 274 (128 गड्ढामुक्ति द्वारा और 146 नवीनीकरण एवं रीस्टोरेशन द्वारा), सिंचाई विभाग ने 58 (26 गड्ढामुक्ति द्वारा और 32 नवीनीकरण एवं रीस्टोरेशन द्वारा), ग्राम्य विकास ने 183 (सभी 183 गड्ढामुक्ति द्वारा), नगर विकास ने 2137 (1315 गड्ढामुक्ति द्वारा और 822 नवीनीकरण एवं रीस्टोरेशन द्वारा), आवास एवं शहरी नियोजन ने 25 (9 गड्ढामुक्ति द्वारा और 16 नवीनीकरण एवं रीस्टोरेशनद्वारा) और अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास ने 1343 (1060 गड्ढामुक्ति द्वारा और 283 नवीनीकरण एवं रीस्टोरेशन द्वारा) सड़कों को गड्ढामुक्त किया गया है।

डोंगरगढ़ का पीएम मोदी ने किया दौरा, आचार्य विद्यासागर महाराज से भी की मुलाकात

राजनांदगांव (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में प्रसिद्ध तीर्थ स्थल डोंगरगढ़ का दौरा किया और जैन मुनि आचार्य विद्यासागर महाराज से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने डोंगरगढ़ में बम्लेश्वरी मंदिर की पहाड़ी की तलहटी पर स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में भी पूजा–अर्चना की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह आचार्य विद्यासागर महाराज का आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं। अपने 'एक्स' हैंडल पर प्रधानमंत्री ने लिखा, छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में चंद्रगिरि जैन मंदिर में आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का आशीर्वाद पाकर धन्य महसूस कर रहा हूं। भाजपा की छत्तीसगढ़ इकाई ने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है जिसमें प्रधानमंत्री को बम्लेश्वरी मंदिर में को प्रसाद चढ़ाते हुए तथा पूजा–अर्चना करते हुए देखा जा सकता है। भाजपा ने लिखा है, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने डोंगरगढ़ स्थित बम्लेश्वरी माता मंदिर में बम्लेश्वरी मैया के दर्शन किये और उनकी पूजा–अर्चना कर भारत के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। प्रधानमंत्री के साथ राजनांदगांव क्षेत्र के विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह भी थे। 90 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए सात और 17 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र उन बीस सीट में से एक है, जहां सात नवंबर को पहले चरण में मतदान होगा। अन्य 70 निर्वाचन क्षेत्रों में दूसरे चरण में वोट डाले जाएंगे। प्रधानमंत्री ने डोंगरगढ़ में बम्लेश्वरी मंदिर की पहाड़ी की तलहटी पर स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में भी पूजा–अर्चना की।

हर भारतीय बुलंद हौसले से भरा हुआ : पीएम मोदी

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। लीडर्सशिप समिट में पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में जब हमारी सरकार बनी थी और हमारा सेवा काल शुरू हुआ था। उस वक्त इस समिट की थीम रिशेपिंग इंडिया। यानी ये मान कर चल रहा था कि आने वाले समय में भारत कुछ बहुत बदलेगा। 2019 में जब हमारी सरकार पहले से भी ज्यादा बहुमत के साथ आई तो आपने थीम रखा कनवर्शन फॉर ए बेटर टूमॉरो। पीएम मोदी ने कहा कि समिट के माध्यम से ये दुनिया को संकेत दिया गया कि भारत एक बेहतर भविष्य के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। अब 2023 में जब देश में अगले साल होने वाले चुनाव की चर्चा हो रही है तो इस समिट की थीम बियांड बैरियर्स है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जनता के बीच रहने वाला व्यक्ति हूं तो मुझे उसमें एक संदेश दिख रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि आम तौर पर ओपिनियन पोल चुनाव के पहले आते हैं।

वोकल फॉर लोकल से जनजातियों का भी हो रहा विकास

भारत अमृत काल पहला वर्ष मना रहा है अमृत काल के पहले वर्ष में पड़ने वाली यह दीपावली संकल्प शक्ति से युक्त भारत के नवनिर्माण की दिवाली है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत अमृत काल पहला वर्ष मना रहा है। अमृत काल के पहले वर्ष में पड़ने वाली यह दीपावली संकल्प शक्ति से युक्त भारत के नवनिर्माण की दिवाली है। यह दिवाली अमृत यात्रा से भारत को विकसित बनाकर सशक्त करने की शुरुआत करेगी। भारतीय रीति और परंपराओं के जरिए त्योहार से देश के जन–जन को एक संकल्प से जोड़ा है। इसी के जरिए राष्ट्र को आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलने का अवसर भी मिला है जिसका प्रमुख उदाहरण है लोकल के लिए वोकल। स्वर का लोकल का ही नतीजा है कि भारत के श्रम की महक चारों दिशाओं में फैलने लगी है। एक समय ऐसा था कि कई उत्पादों के लिए भारत को कभी आयात पर निर्भर रहना पड़ता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर का लोकल और आत्मनिर्भर भारत के आह्वान से यह धारा बदल गई है। स्वर का लोकल अभियान से न केवल विकसित भारत के संकल्प का आधार बना है बल्कि दशकों से सुदूर क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी हो या फिर अन्य वंचित पिछड़े वर्ग के लोग जिनके उत्पादन और कल को एक विशेष क्षेत्र तक सीमित कर दिया गया था उन्हें भी इस लोकल फॉर वोकल के जरिए नई उम्मीद और नया अवसर मिला है। इस अभियान के जरिए जनजातीय चेहरों पर नई मुस्कान आई है। हर भारतीय ने स्थानीय स्तर पर बने स्वदेशी उत्पाद की भावना से खुद को गर्वित महसूस किया।

आज के समय में भारत में इस अभियान के तहत कड़ी के खिलौने से लेकर रक्षा से इलेक्ट्रॉनिक्स तक केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिससे वह कल का लोकल और आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत हुई है। भारत इतना सशक्त हो गया है कि आज सेवा के उपकरण साइकिल से लेकर बाइक तक मोबाइल से लेकर कर तक घरेलू उत्पाद से लेकर मेडिकल डिवाइस तक सब कुछ मेड इन इंडिया के तहत बनाया जा रहा है। मेड इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत जैसे आह्वानों से देश की महक हर तरफ फैल रही है। भारतीय जनता अब लोकल उत्पाद खरीदने के साथ ही उनका प्रचार भी कर रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को मजबूत स्थिति दिलाने के लिए वह कल का लोकल को अमृत कल का मंत्र बनाया गया है। विदेशी उत्पादों के अलावा अब हर तरफ स्वर का लोकल की अलग गूंजती दिख रही है। इसके तहत नई इनोवेशन, नई इच्छा शक्ति के साथ अपनी ताकत को पहचान कर भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। आजादी के अमृत काल में देश ने फैसला किया है कि वह कल का लोकल के हवन से भारत की जनजातीय परंपराओं को इसकी शौर्य गाथाओं को देश के कोने–कोने तक फैला कर इसे नई और भव्य पहचान दी जाएगी।

भाजपा अध्यक्ष बोले - सत्ता में रहते हुए भूपेश बघेल ने किया सट्टा कारोबार

लखनऊ (एजेन्सी)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भारत में कांग्रेस भ्रष्टाचार की जनक पार्टी है। आजादी के बाद दशकों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में नए–नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं। कांग्रेस सरकार में जल, थल और नभ में भ्रष्टाचार किया गया है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नई नजीर पेश की है। वह सत्ता में रहकर सट्टा कारोबार खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि महादेव एप के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार किया गया है। 500 करोड़ रुपये से अधिक पैसा दिया गया है। ईडी की जांच में यह मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में नकदी लाने की जानकारी सामने आई है जिस पर कार्रवाई की गई है। मामले में ईडी ने पांच करोड़ की धनराशि बरामद की है। ईडी ने महादेव एप से जुड़े लोगों की कुछ बेनामी संपत्तियां भी जब्त की हैं। कई लोगो को गिरफ्तार किया है। भाजपा छत्तीसगढ़ के सीएम और कांग्रेस पार्टी से सवाल पूछ रहा है कि छत्तीसगढ़ में हुए इस भ्रष्टाचार में उनका पैसा है या नहीं है। ईडी ने कहा है कि असीम दास ने स्वीकार किया है कि यह धनराशि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए खर्च करने के लिए लाई गई थी।

प्रियंका गांधी बोली तत्काल संघर्षविराम कराना चाहिए

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने ''स्वतंत्र दुनिया'' के नेताओं पर फिलिस्तीन में हजारों लोगों के ''नरसंहार'' में मददगार होने का आरोप लगाया और मांग की कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को वहां तत्काल संघर्षविराम कराना चाहिए। वाद्रा ने इजराइल या 'स्वतंत्र दुनिया' के किसी भी देश का नाम लिए बिना स्थिति को भयावह बताया और कहा कि लगभग 10,000 आम लोगों का कत्लेआम हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, यह इतना भयावह और शर्मनाक है कि इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। करीब 5,000 बच्चों समेत लगभग 10,000 आम लोगों का कत्लेआम हुआ है और पूरे के पूरे परिवार खत्म हो गए हैं। अस्पतालों एवं एंबुलेंस पर बमबारी की गई है,।

हजारों लोग हुए बेघर, सड़कों पर रहने को मजबूर, मौत का आंकड़ा पहुंचा 157

बचावकर्मी तत्काल सहायता पहुंचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन कई पहाड़ी गांवों तक पैदल ही पहुंचा जा सकता है जिससे बाधा पैदा हो रही है

काठमांडू (एजेन्सी)। नेपाल में भूकंप के कारण कम से कम 157 लोगों की मौत होने और बड़ी संख्या में मकानों के क्षतिग्रस्त या नष्ट होने के कारण देश के पश्चिमोत्तर हिस्से के पर्वतीय गांवों में हजारों लोगों को कड़ाके की ठंड के बावजूद रात को बाहर सड़कों पर सोना पड़ा। नेपाल में शुक्रवार रात अचानक आए भूकंप से जाजरकोट जिले के गांवों में अधिकतर मकान या तो ढह गए या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि कस्बों में कंक्रीट के कुछ मकान क्षतिग्रस्त हो गए। चिउरी गांव के निवासी लाल बहादुर बीका ने भूकंप के कारण मारे गए 13 लोगों के सफेद कपड़ों में लिपटे शवों की ओर इशारा करते हुए कहा, ''हम अपने गांवों में मारे गए लोगों के शवों के अंतिम संस्कार का इंतजार कर रहे हैं और भूकंप में घायल हुए लोगों की देखभाल करने की कोशिश कर रहे हैं।'' इन शवों का रविवार सुबह अंतिम संस्कार किया गया है।

चिउरी गांव में कई मकान ढह गए हैं। लोगों ने रात में खुद को गर्म रखने के लिए प्लास्टिक की चादरों और पुराने कपड़ों का उपयोग किया। कई लोग अपने ढह चुके मकानों के मलबे के नीचे से अपना सामान निकालने में असमर्थ हैं। बचावकर्मी तत्काल सहायता पहुंचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन कई पहाड़ी गांवों तक पैदल ही पहुंचा जा सकता है जिसके कारण अभियान में बाधा पैदा हो रही है। भूकंप के कारण हुए भूस्खलन से सड़कें भी अवरुद्ध हो गई हैं।

सैनिकों को अवरुद्ध सड़कों को साफ करने की कोशिश करते देखा जा सकता है। देश के उपप्रधानमंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने शनिवार को कहा कि सरकार प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाने की कोशिश कर रही है। हजारों लोगों के रातों–रात बेघर हो जाने के कारण तंबू, भोजन और दवाइयां भेजी गई हैं। क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती घायलों में शामिल बिमल कुमार कार्की ने कहा, ''मैं गहरी नींद में था तभी अचानक सब जोर से हिलने लगा। मैंने भागने की कोशिश की लेकिन मेरा पूरा मकान ढह गया। मैंने बच कर भागने का प्रयास किया लेकिन मेरा आधा शरीर मलबे में दब गया।'' कार्की ने कहा, ''मैं चिल्लाया, लेकिन मेरे सभी पड़ोसी ऐसी ही स्थिति में थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे। बचावकर्मियों को मुझ तक पहुंचने में लगभग आधे से एक घंटे का समय लग गया।'' अस्पताल में भर्ती एक अन्य व्यक्ति टीका राम राणा ने कहा, ''मैं सो रहा था कि रात को करीब 10–11 बजे सब हिलने लगा और मकान धंस गया। कई मकान ढह गए और कई लोग मलबे में दब गए।'' बचावकर्मी लोगों को सहायता पहुंचाने के साथ–साथ मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश भी कर रहे हैं।

एफपीआई ने नवंबर के तीन कारोबारी सत्रों में शेयरों से 3,400 करोड़ रुपये निकाले

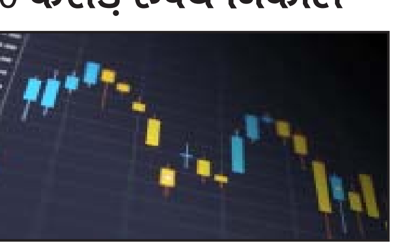

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला नवंबर में भी जारी है। पश्चिम–एशिया में तनाव तथा बढ़ती ब्याज दरों के बीच एफपीआई ने नवंबर के पहले तीन कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजारों से 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इससे पहले एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजारों से 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये निकाले थे। एफपीआई मार्च से अगस्त तक इससे पिछले छह माह के दौरान लगातार शुद्ध लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने शेयर बाजारों में 1.74 लाख करोड़ रुपये डाले थे। हालांकि, आगे चलकर एफपीआई का बिकवाली का सिलसिला थम सकता है, क्योंकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नरम रुख की वजह से बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी थमी है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल की नरम टिप्पणी के बाद बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी का रुख पलट गया है। बाजार ने उनकी इस टिप्पणी की व्याख्या ब्याज दरों में बढ़ोतरी के सिलसिले पर रोक के रूप में की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से तीन नवंबर के दौरान 3,412 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं।

गंभीर स्मॉग में लिपटा मेरठ शहर

मेरठ (एजेन्सी)। वायु प्रदूषण से सांसों पर संकट गहराने लगा है। रविवार को मेरठ का एक्यूआई 340 के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद अस्थमा के मरीजों को सांस में तकलीफ, लोगों को आंखों में जलन की समस्या होने लगी है। डॉक्टरों ने सांस के मरीजों को समय से दवा लेने और धुंध से बचने की सलाह दी है। इसके अलावा मास्क या रूमाल के इस्तेमाल पर भी जोर दिया है। तेजी से बढ़ रहे वायु गुणवत्ता सूचकांक के कारण शहर पर स्मॉग की चादर छाने लगी है। मेरठ में शनिवार को सूचकांक 340 दर्ज किया गया। जिले के भीतर सबसे अधिक प्रदूषित इलाका पल्लवपुरम रहा। यहां सूचकांक 383 के स्तर पर पहुंच गया। जयभीमनगर में 313, गंगानगर में 323 एक्यूआई दर्ज किया गया।

मथुरा में 14 नवंबर से शुरू होगा ब्रजरज उत्सव, दो सप्ताह तक चलेगा

प्रशासनिक अधिकारी जानकारी दी की इस बार यह उत्सव महान कृष्णभक्त मीराबाई की 525वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है

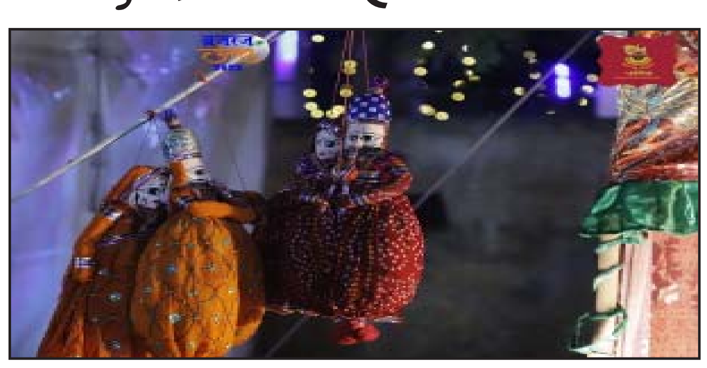

मथुरा (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद 14 नवंबर से दो सप्ताह तक चलने वाले ब्रजरज उत्सव का आयोजन करेगी। एक प्रशासनिक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इस बार यह उत्सव महान कृष्णभक्त मीराबाई की 525वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। नृत्य नाटिका का आयोजन इस उत्सव का मुख्य आकर्षण होगा जिसमें फिल्म अभिनेत्री तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थानीय सांसद हेमामालिनी मीराबाई के किरदार में नजर आएंगी। परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नगेंद्र प्रताप ने बताया कि उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से हर साल आयोजित होने वाला ब्रजरज उत्सव मथुरा ही नहीं, आसपास के जिलों के कलाकारों के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। इस वर्ष ब्रजरज उत्सव दीपावली के ठीक बाद 14 से 27 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा, जो कि कृष्णभक्त मीराबाई की 525वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पहले यह उत्सव 11 दिन का होता था, लेकिन अब यह उत्सव 14 दिन तक आयोजित किया जाएगा और इसके कलाकारों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इस वर्ष ब्रजरज उत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण हेमामालिनी की टीम द्वारा मीराबाई की थीम पर नृत्य नाटिका की वह खास प्रस्तुति होगी,।

जिसमें वह भगवान श्रीकृष्ण के प्रति मीराबाई के समर्पण, भक्ति और विरह को अपनी भाव–भंगिमाओं से प्रदर्शित करेंगी। यह कार्यक्रम 17 नवंबर को होगा। ब्रजरज उत्सव का आयोजन मुख्यत: रेलवे के मैदान पर किया जाएगा। जबकि 15, 16 व 17 नवंबर के मुख्य कार्यक्रम पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार, उप्र पं. दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान में प्रस्तुत किए जाएंगे। इस दौरान अनेक विद्यालयों के विद्यार्थी दोपहर 12 बजे से दो बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। मेले में अलग–अलग जनपदों के शिल्पी, 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के तहत विशिष्ट उत्पादों की प्रदर्शनी करेंगे। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ–साथ राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय कलाकारों द्वारा प्रतिदिन कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे। मेले की अवधि प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक रहेगी।

एर्दोगन ने कहा– नेतन्याहू ऐसे व्यक्ति नहीं जिससे बात कर सके

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने शनिवार को कहा कि वह गाजा में इजरायल की कार्रवाई के कारण इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से संपर्क तोड़ रहे हैं। इसके साथ ही तुर्की ने इजरायल से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। तुर्की मीडिया ने एर्दोगन के हवाले से कहा कि नेतन्याहू अब ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जिनसे हम बात कर सकें। हमने उन्हें खारिज कर दिया है। एर्दोगन की टिप्पणी इसराइल के यह कहने के एक सप्ताह बाद आई है कि वह इजरायल–हमास युद्ध के बारे में तुर्की की बढ़ती तीखी बयानबाजी के कारण अंकारा के साथ अपने संबंधों का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है। नेतन्याहू अब ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जिनसे हम बात कर सकें। इजराइल ने पहले सुरक्षा एहतियात के तौर पर तुर्की और अन्य क्षेत्रीय देशों से सभी राजनयिकों को वापस बुला लिया था। इजरायली सेनाओं ने गाजा के सबसे बड़े शहर को घेर लिया है और इजरायल में 7 अक्टूबर के हमले के प्रतिशोध में हमास को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं, अधिकारियों का कहना है कि लगभग 1,400 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे,।

सम्पादकीय

एक तरफ छापों की धमक, दूसरी तरफ राजनीतिक चंदे पर बहस

केंद्रीय एजेंसियाँ धडाधड छापे मार रही हैं। राजस्थान में, तमिलनाडु में और दिल्ली में भी। दिल्ली में तो चर्चा यहाँ तक चल रही है कि यही हाल रहा तो किसी दिन अरविंद केजरीवाल को जेल में ही कैबिनेट मीटिंग न करनी पड़ जाए! विपक्ष का सवाल यह है कि ईडी और आईटी के छापे विपक्षी नेताओं पर ही क्यों पड़ रहे हैं? क्या सत्ता पक्ष के नेता सबके सब पाक– साफ हैं? विपक्ष यह भी कह रहा है कि चुनाव के वक्त चुनावी राज्यों में विपक्ष को गिराने के लिए, उसके नेताओं को प्रक्रियाओं में उलझाए रखने के लिए ऐसा किया जा रहा है। जिन नॉन इलेक्शन स्टेट में छापे मारे जा रहे हैं वहाँ सत्ता पक्ष का उद्देश्य यह है कि वहाँ के नेता प्रचार करने के लिए चुनावी राज्यों में न जा पाएँ। जहां तक सत्ता पक्ष का सवाल है उसका कहना है कि अगर विपक्षी नेता इतने ही पाक– साफ हैं तो डर क्यों रहे हैं। हालाँकि, सत्ता पक्ष की इस बात में कोई सकारात्मक तर्क नजर नहीं आता। लेकिन सत्ता पक्ष का मुँह आखघ्रि कौन बंद करा सकता है? दरअसल, राजनीति में प्रायरू कोई भी पाक– साफ नहीं है। तभी विपक्षी नेता खुलकर ईडी और आईटी के छापों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि जो कोई बयान देगा, उसे भी छापों का डर सताने लगेगा। यही वजह है कि सब के सब अपना मुँह सिलकर बैठे हैं। दूसरी तरफ चुनावी बॉन्ड से चंदा लेने पर बहस छिड़ी हुई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष किसी के पास कोई जवाब नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तक ने कह दिया कि राजनीतिक दलों की चंदा लेने की यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। इसका कोई उचित और पारदर्शी उपाय सोचना चाहिए और उसे लागू करना चाहिए। कोर्ट ने यहाँ तक कहा कि कार्पोरेट घराने सत्ता पक्ष को ही ज्यादा चंदा देते हैं। फिर सरकार से तरह– तरह के फायदे लेते हैं। वैसे भी इसकी गोपनीयता दूसरे राजनीतिक दलों और आम जनता के लिए ही है। जिस पार्टी को चंदा मिलता है, उसे तो पता रहता ही है कि किसने कितना दिया! जहां तक सरकार का सवाल है, उसे तो एक – एक पैसे के लेनदेन का पता रहता है। ऐसे में इस छितरी हुई या एकाकी गोपनीयता का क्या मतलब है? जवाब किसी के पास नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की दलीलें सुनकर सारे पक्ष घर आ गए। चंदा मिलना जारी है। चुनाव उसी चंदे से लड़े जा रहे हैं। न किसी को हिसाब देना है और न ही कोई हिसाब रखना है। बहरहाल, छापे चल रहे हैं और चंदे पर बहस भी। दोनों का ही कोई इलाज नहीं है। चुनाव आयोग इन दोनों ही विषयों को छूना तक नहीं चाहता। क्या सत्ता पक्ष के नेता सबके सब पाक– साफ हैं? विपक्ष यह भी कह रहा है कि चुनाव के वक्त चुनावी राज्यों में विपक्ष को गिराने के लिए, उसके नेताओं को प्रक्रियाओं में उलझाए रखने के लिए ऐसा किया जा रहा है। जिन नॉन इलेक्शन स्टेट में छापे मारे जा रहे हैं वहाँ सत्ता पक्ष का उद्देश्य यह है कि वहाँ के नेता प्रचार करने के लिए चुनावी राज्यों में न जा पाएँ। जहां तक सत्ता पक्ष का सवाल है उसका कहना है कि अगर विपक्षी नेता इतने ही पाक– साफ हैं तो डर क्यों रहे हैं। हालाँकि, सत्ता पक्ष की इस बात में कोई सकारात्मक तर्क नजर नहीं आता। लेकिन सत्ता पक्ष का मुँह आखघ्रि कौन बंद करा सकता है? दरअसल, राजनीति में प्रायरू कोई भी पाक– साफ नहीं है। तभी विपक्षी नेता खुलकर ईडी और आईटी के छापों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि जो कोई बयान देगा, उसे भी छापों का डर सताने लगेगा। यही वजह है कि सब के सब अपना मुँह सिलकर बैठे हैं। दूसरी तरफ चुनावी बॉन्ड से चंदा लेने पर बहस छिड़ी हुई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष किसी के पास कोई जवाब नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तक ने कह दिया कि राजनीतिक दलों की चंदा लेने की यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। इसका कोई उचित और पारदर्शी उपाय सोचना चाहिए और उसे लागू करना चाहिए। कोर्ट ने यहाँ तक कहा कि कार्पोरेट घराने सत्ता पक्ष को ही ज्यादा चंदा देते हैं। फिर सरकार से तरह– तरह के फायदे लेते हैं। वैसे भी इसकी गोपनीयता दूसरे राजनीतिक दलों और आम जनता के लिए ही है। जिस पार्टी को चंदा मिलता है, उसे तो पता रहता ही है कि किसने कितना दिया! जहां तक सरकार का सवाल है, उसे तो एक – एक पैसे के लेनदेन का पता रहता है।

दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर पर कम नहीं हुआ है बीजेपी का विश्वास

राजनीति में एक हार से सब कुछ खत्म और एक जीत से सब कुछ हासिल नहीं हो जाता है। जीत–हार राजनीति का हिस्सा है। यह अनवरत जारी रहता है। इस बात का अहसास उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं के चलते किया जा रहा है। चर्चा है कि योगी सरकार में कुछ और नये चेहरे शामिल होने वाले हैं जिससे लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण का फार्मूला फिट हो सके। इसीलिए योगी मंत्रिमंडल में दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बनाये जाने की चर्चा हो रही है। यह वह दो नेता हैं जिनको भाजपा का जातीय समीकरण मजबूत करने के लिए हाल फिलहाल में पार्टी के साथ जोड़ा गया था। ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ बीजेपी का गठबंधन हुआ था और घोसी से सपा विधायक दारा सिंह चौहान सपा की सदस्यता और विधायिकी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे, लेकिन यह भी हकीकत है कि बीजेपी के बैनर तले घोसी से उप चुनाव लड़े दारा सिंह को हार का समाना करना पड़ा था। वहीं ओम प्रकाश राजभर की पार्टी की बात की जाये तो विधान सभा चुनाव में बीजेपी को ओम प्रकाश राजभर की पार्टी से उतना फायदा नहीं मिला था, जितनी उनसे उम्मीद थी, मगर बीजेपी ने आस नहीं छोड़ी है, उसे आज भी दारा सिंह और राजभर पर भरोसा है। माना जा रहा है कि बीजेपी हाईकमान द्वारा इन दोनों नेताओं को दिवाली से पहले योगी मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए जल्द फैसला लिया जा सकता है। सब कुछ ठीकठाक रहा तो सपा का साथ छोड़कर एनडीए में आए सुभासपा के मुखिया ओपी राजभर को कैबिनेट के अलावा दारा सिंह चौहान को भी मंत्री पद दिया जा सकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद से ऐसे कयास लग रहे हैं। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि दोनों नेताओं को योगी कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। राजभर को एनडीए में और दारा सिंह चौहान को बीजेपी में शामिल होने से पहले पार्टी के नेताओं ने मंत्री पद देने का आश्वासन दिया था। हालांकि, घोसी में हुए उपचुनाव में बीजेपी की हार के बाद से दोनों ही नेताओं को मंत्री पद मिलने की राह थोड़ी कठिन हो गई थी। उधर, ओपी राजभर ने दावा किया है कि दिवाली से पहले बीजेपी इसकी घोषणा कर सकती है। लोकसभा चुनाव को लेकर सपा के पीडीए और जाति जनगणना के मुद्दे की काट खोज रही बीजेपी के लिए यह दोनों नेता काफी अहम माने जा रहे हैं। चर्चा है कि योगी सरकार में कुछ और नये चेहरे शामिल होने वाले हैं जिससे लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण का फार्मूला फिट हो सके। इसीलिए योगी मंत्रिमंडल में दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बनाये जाने की चर्चा हो रही है। यह वह दो नेता हैं जिनको भाजपा का जातीय समीकरण मजबूत करने के लिए हाल फिलहाल में पार्टी के साथ जोड़ा गया था। ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ बीजेपी का गठबंधन हुआ था और घोसी से सपा विधायक दारा सिंह चौहान सपा की सदस्यता और विधायिकी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे, लेकिन यह भी हकीकत है कि बीजेपी के बैनर तले घोसी से उप चुनाव लड़े दारा सिंह को हार का समाना करना पड़ा था। वहीं ओम प्रकाश राजभर की पार्टी की बात की जाये तो विधान सभा चुनाव में बीजेपी को ओम प्रकाश राजभर की पार्टी से उतना फायदा नहीं मिला था, जितनी उनसे उम्मीद थी, मगर बीजेपी ने आस नहीं छोड़ी है, उसे आज भी दारा सिंह और राजभर पर भरोसा है। माना जा रहा है कि बीजेपी हाईकमान द्वारा इन दोनों नेताओं को दिवाली से पहले योगी मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए जल्द फैसला लिया जा सकता है। सब कुछ ठीकठाक रहा तो सपा का साथ छोड़कर एनडीए में आए सुभासपा के मुखिया ओपी राजभर को कैबिनेट के अलावा दारा सिंह चौहान को भी मंत्री पद दिया जा सकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद से ऐसे कयास लग रहे हैं।

फिलिस्तीन-इस्राइल संघर्ष लंबा खिंचने के आसार

के.सी. त्यागी

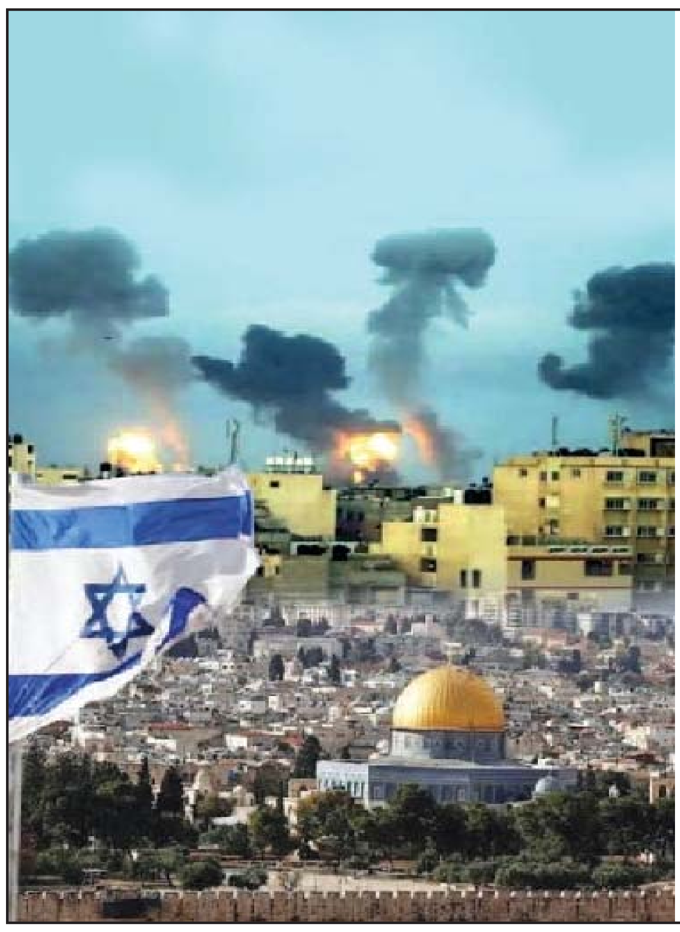

१६४८ में यूएनओ की मदद से अंग्रेजी राज्य की समाप्ति से पहले इस यहूदी राज्य की घोषणा कर डाली। इस प्रस्ताव के मुताबिक फिलिस्तीन की ५५ फीसद भूमि पर इस्राइल का और ५४ फीसद भूमि पर अरब फिलिस्तीनियों का कब्जा माना गया। बाकी १ फीसद भूमि को यरु सलम के लिए आरक्षित किया गया। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि वर्तमान युद्ध प्रारंभ होने से पहले फिलिस्तीनी मात्र ७ फीसद भूमि के मालिक बचे हैं। आज यह प्रश्न पुराने पड़ चुके हैं। इस्राइल के वहशीपन के शिकारों मृतकों की संख्याॉ बच्चेदृबूढ़ों का कत्लेआमों अस्पताल एवं शिविरों पर बमबारी में मृतकों और घायलों की संख्या का जोड़ बताने में यूएनॉ डब्लूएचओॉ मानवअधिकारी ग्रुप सक्रिय हैं। गाजा पर हुए हमले इतने दर्दनाक और भयानक हैं कि भारतॉ अमेरिका और यूएन महासचिव तक को कहना पड़ा है कि मानवता के आधार पर इस्राइल भविष्य में सभी सैनिक गतिविधियों को विराम दे। एक बड़ी आबादी के साथ जिनमें अधिकांश बच्चे हैॉ

ब्रिटिश सरकार ने द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत यहूदियों के खिलाफ हो रहे जुल्म को देखते हुए अपने अध ीन अरबदृफिलिस्तीन धरती पर उनके लिए एक अलग और सुरक्षित राष्ट्र बनाने की योजना बनाई। प्रारंभ में दूसरे देशों से यहूदियों को फिलिस्तीन में लाकर बसाया जाने लगा। जिन्हें 'सेटलर्सश नाम दिया गया। नई बस्ती में उन्हें बसाने का एक मुख्य आकर्षण और कारण उनके पवित्र स्थान यरुसलम का पास होना भी था। ६ ीरेदृधीरे यहूदी देश की स्थापना का सपना और मांग जोर पकड़ने लगी। १६३८ के आसपास इसे मूर्त रूप देने की मांग होने लगी। ६ महात्मा गांधी भारत की स्वतंत्रता का युद्ध विशुद्ध अहिंसात्मक तरीके से संचालित कर रहे थॉ लेकिन उनकी नजर उस समय विश्व में हो रहे परिवर्तनों और घटनाओं पर भी लगी रहती थी। एशिया के विभिन्न मुल्कों के स्वाध ीनता संग्रामॉ साम्राज्यवादी और उपनिवेशवादी जन संग्रामों को वे गुण और दोष के आधार पर समर्थन देते रहते थे। प्रथम विश्व युद्ध १६१८ में समाप्त हो चुका था और समूचे पश्चिम एशिया के बड़े भूभाग पर ब्रिटिश हुकूमत कब्जा कर चुकी थी। बचे हुए कुछ हिस्से पर खांस भी अपना अधिकार जमाने में कामयाब हो चुका था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब इस्राइल के रूप में यहूदी राज्य का सपना साकार होने लगा तो महात्मा गांधी ने २६ नवम्बर १६३८ को 'हरिजनश साप्ताहिक में अपने संपादकीय लेख के जरिये इस मुहिम का जोरदार विरोध किया। इस लेख में बापू ने फिलीस्तीन धरती पर यहूदियों का प्रथम देश बनाने की कड़ी आलोचना की। ६ यही वह दौर है जब मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग भी मजहब के नाम पर पृथक राष्ट्र की मांग को तेजी से साथ उठा रही थी। गांधी के अनुसार जिस प्रकार खांस खांसीसियों का है और इंग्लैंड इंग्लिश लोगों का है उसी प्रकार फिलिस्तीन यहां के मूल अब फिलिस्तीन निवासियों का है। यहूदियों को धर्म की बुनियाद पर ब्रिटिश बंदूकों या बम की धमकी के साये में फिलिस्तीन में लाकर नहीं बसाया जा सकता अगर यहूदी यहां बसना चाहते हैं तो फिलिस्तीनियों की मर्जी की स्वीकार्यता होनी आवश्यक है। द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने तक यहूदी फिलिस्तीन में एक समानांतर प्रशासनॉ यहूदी एजेंसी और स्वयं के मिलिशिया समूहोंदृहगनाह और हरगुन के साथ एक बड़ा समुदाय बन गए। ब्रिटेन ने संयुक्त राष्ट्र से संपर्क कर एक षड्यंत्रकारी योजना को अंजाम दिया जिसके तहत फिलिस्तीन को एक अरब राज्य एक यहूदी राज्य (इस्राइल) और एक अंतरराष्ट्रीय शहर यरुसलम में विभाजित कर दियॉ लेकिन इसे अरबों ने सिरे से खारिज कर दिया। १६४८ में यूएनओ की मदद से अंग्रेजी राज्य की समाप्ति से पहले इस यहूदी राज्य की घोषणा कर डाली। इस प्रस्ताव के मुताबिक फिलिस्तीन की ५५ फीसद भूमि पर इस्राइल का और ५४ फीसद भूमि पर अरब फिलिस्तीनियों का कब्जा माना गया। बाकी १ फीसद भूमि को यरु सलम के लिए आरक्षित किया गया। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि वर्तमान युद्ध प्रारंभ होने से पहले फिलिस्तीनी मात्र ७ फीसद भूमि के मालिक बचे हैं। ६ आज यह प्रश्न पुराने पड़ चुके हैं। इस्राइल के वहशीपन के शिकारॉ मृतकों की संख्यॉ बच्चेदृबूढ़ों का कत्लेआमॉ अस्पताल एवं शिविरों पर बमबारी में मृतकों और घायलों की संख्या का जोड़ बताने में यूएनॉ डब्लूएचओॉ मानवअधिकारी ग्रुप सक्रिय हैं। गाजा पर हुए हमले इतने दर्दनाक और भयानक हैं कि भारतॉ अमेरिका और यूएन महासचिव तक को कहना पड़ा है कि मानवता के आधार पर इस्राइल भविष्य में सभी सैनिक गतिविधियों को विराम दे। एक बड़ी आबादी के साथ जिनमें अधिकांश बच्चे हैॉ वयस्कों पर उनका भरणदृपोषण करने का बोझ बहुत अधिक हो चला है हालांकि उद्योग की खराब स्थिति के कारण गाजा पुरानी बेरोजगारी से पीडिघ्त है। अधिक चिंता की बात यह है कि आबादी का एक छोटा सा हिस्सा ही नौकरी की तलाश में है। बाइडन से पहले ट्रंप सरकार द्वारा बेंजामिन का अंध समर्थन भी नरसंहार का एक बड़ा कारण है। दरअसलॉ अमेरिका और इस्राइल ऐन युद्ध के मौके पर आक्रामक हो जाते हैं। ट्रंप द्वारा पिछले चुनाव के दौरान अपने चुनाव में यरु सलम को राजधानी घोषित कर चुनाव में विजय प्राप्त कर चुके हैॉ जबकि यूएनओ द्वारा इसे अभी तक मान्यता नहीं मिली है और सरकारी सूचनाओं में तेलदृअवीव ही अधिकृत राजधानी है। १६६६ के छह दिनी युद्ध के दौरान इस्राइलॉ इजिप्टॉ लेबनान और सीरिया के बड़े भूभाग पर कब्जा करने में कामयाब हो चुका था। ६ यूएन द्वारा सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित होने के बावजूद इस्राइल वहां अवैध कॉलोनियों का निर्माण करने में व्यस्त है। अब फिलिस्तीन और पश्चिम एशिया के बाशिंदों का सबसे बड़ा भावनात्मक मुद्दा अलदृअक्सा मस्जिद का अस्तित्व पर आया संकट भी है। इस मस्जिद को विश्व भर के मुसलमान बड़े अदब के साथ याद करते हैं। इस्राइल पुलिस द्वारा प्रतिबंध लगाने से हर वर्ष ईद के मौके पर हिंसक वारदात एक रिवाज सा बन जाती हैं।

युद्ध के लंबे खींचने के आसार हैॉ पूर्व यरुसलम के बड़े हिस्से पर इस्राइल का कब्जा हैॉ जहां मस्जिद स्थित है यरुसलम यद्यपि १६४८ से ही अंतरराष्ट्रीय शहर हैॉ लेकिन राजध ानी घोषित होने पर इंसाफ और मानवीय अधिकारों की रक्षा के लिए शुरू हुआ संघर्ष अब धाद्दमक विवाद की भेंट चढ़ चुका है। अब स्थिति नियंत्रण नियंत्रण से बाहर है। अरब मुल्कों के बाद भारत पहला मुल्क है जिसने फिलीस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी। ६ यद्यपि १६६२ में नरसिम्हा राव द्वारा इस्राइल को मान्यता देकर भारत को गुटिनरपेक्ष देशों की नजरों में आशंकित कर दिया था। तीसरी दुनिया के सभी बड़े नेता पंक्तिबद्ध होकर फिलिस्तीन के साथ खड़े रहते थॉ जिनमें पंडित नेहरूॉ चाऊदृएनदृलाईॉ अब्दुल गुलाम नासिरॉ मार्शल टीटो और एन्क्रोमा और सुकर्णो आदि प्रमुख हैं। यद्यपि शांति के द्वारा ही बड़ेदृबड़े मसले सुलझाए जा चुके हैॉ लेकिन फिलिस्तीनी नौजवानों का एक बड़ा तबका हमास समर्थक हो चुका है। ऐसा भी पहली बार हुआ है जब इस्राइली जानदृमाल की ऐसी हानि हुई है और वहां की खुफिया एजेंसी मोसाद को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लगभग सभी अरब मुल्क एक होकर गाजा में हो रहे नरसंहार को रोकने की कोशिशों में लगे हैॉ जिस प्रकार ईरानॉ टर्की समेत कई राज्य अति सक्रियता दिखा चुके हैं उससे लगता है युद्ध लंबा चलेगा। १६४८ में यूएनओ की मदद से अंग्रेजी राज्य की समाप्ति से पहले इस यहूदी राज्य की घोषणा कर डाली। इस प्रस्ताव के मुताबिक फिलिस्तीन की ५५ फीसद भूमि पर इस्राइल का और ५४ फीसद भूमि पर अरब फिलिस्तीनियों का कब्जा माना गया। बाकी १ फीसद भूमि को यरु सलम के लिए आरक्षित किया गया। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि वर्तमान युद्ध प्रारंभ होने से पहले फिलिस्तीनी मात्र ७ फीसद भूमि के मालिक बचे हैं। ६ आज यह प्रश्न पुराने पड़ चुके हैं। इस्राइल के वहशीपन के शिकारॉ मृतकों की संख्यॉ बच्चेदृबूढ़ों का कत्लेआमॉ अस्पताल एवं शिविरों पर बमबारी में मृतकों और घायलों की संख्या का जोड़ बताने में यूएनॉ डब्लूएचओॉ मानवअध िकारी ग्रुप सक्रिय हैं।

वैश्विक शांति का बने माध्यम खेल आयोजन

एशियाई खेलों में इस बार भारत ने इतिहास का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उसने पहली बार १०७ पदक जीते और अपनी पदकों की संख्या को तिहरे अंक तक पहुंचाया। कई ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले खिलाड़ियों ने उम्मीद से बेहतर खेल दिखाएँ तो कई गुमनाम एथलीटों को पहचान मिल गई। सवाल है कि क्या वो समय फिर से आ चला है जब खेलों को व्यक्तित्व निखारने बेहतर रणनीतिकार बनाने और तंदरूस्त रखने की परिधि से बाहर करें। इसके व्यावसायिक क्षमता को समझते के साथ इसमें सामाजिक बदलाव लाने की ताकत को भी पहचाने। हम सभी इस बात से भलीदृभांति परिचित हैं कि सामाजिक बदलाव के आंदोलन की सफलता जनता की भावनाओं के चरम पर पहुंचने पर निर्भर है। औरॉ खेल तो पूरी तरह भावनाओं के ज्वार पर ही चलता है। भारत हो या दुनिया का कोई और देशॉ क्लब स्तर के मैचों तक में दोनों पक्षों की भावनाएं जीत का आधार बनाती हैं। ऐसे में खेलों को छोटे से वैश्विक स्तर तक सामाजिक बदलाव का वाहक बनाया जा सकता है।

संदीप भूषण

मैक्सिको ओलंपिक १६६८ से करीब छह महीने पहले अमेरिका के राष्ट्रपति माद्दटन लूथर किंग जूनियर की हत्या हुई थी। इस घटना ने पूरे विश्व को हिलाकर रख दिया था। नस्ली हिंसा बढ़ गई थीं। ऐसे में दो खिलाडिघ्यों ने सद्भाव और शांति स्थापना की पहल की और उनका यह कदम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। आज जब एक नहीं बल्कि कई देश हिंसा की आग में झुलस रहे हैं और शांति की हर पहल इकहरी और कमजोर मालूम पड़ रही है तो ७० के दशक का ब्लैक पावर सैल्यूट का संदेश फिर से मौजू होने लगा है। ६ ऐसे मुश्किल दौर में जब ग्लोब पर यूरोप और अरब का बड़ा भूभाग युद्ध के खतरे झेल रहा है तो खेल और उससे जुड़ी सद्भावना का महाव काफी बढ़ जाता है। शांति की पहल के लिहाज से वैश्विक खेल आयोजकों और सहभागी खिलाडिघ्यों से आज दुनिया को एक बड़ी उम्मीद है। भूले नहीं हैं लोग कि मैक्सिको ओलंपिक के २०० मीटर की दौड़ में सोना जीतने वाले टॉमी स्मिथ और कांस्य पदक विजेता जॉन कार्लोस अपने पदक लेने पोडियम पर पहुंचे तो उनके पांव में जूते नहीं थे। स्मिथ ने गले में काला दुपट्टा लपेट रखा था। जैसे ही अमेरिकी राष्ट्रगान बजा तो दोनों ने अपने सिर झुका लिए और दस्ताने वाली मुट्ठियां हवा में भींच ली। उनका जूता नहीं पहनना और पैरों के काले मोजे जहां उनकी मुफिलसी दिखा रहे थे वहीं उनकी मुट्ठियां अश्वेदृअमेरिकी एकता का संदेश दे रही थीं। स्मिथ और कार्लोस की ब्लैक पावर सैल्यूट ने नागरिक अध िकार आंदोलन में एक नई ऊर्जा भर दी। दरअसलॉ अपने लंबे इतिहास में खेल ने कई बार बताया है कि यह सिर्फ शारीरिक और मानसिक ताकत दिखाने का अवसर भर नहींॉ बल्कि यह विश्व को एक सूत्र में बांधने का अचूक मंत्र भी है। एशियाई खेलों में इस बार भारत ने इतिहास का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उसने पहली बार १०७ पदक जीते और अपनी पदकों की संख्या को तिहरे अंक तक पहुंचाया। कई ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले खिलाडिघ्यों ने उम्मीद से बेहतर खेल दिखाएॉ तो कई गुमनाम एथलीटों को पहचान मिल गई। सवाल है कि क्या वो समय फिर से आ चला है जब खेलों को व्यक्तित्व निखारने बेहतर रणनीतिकार बनाने और तंदरूस्त रखने की परिधि से बाहर करें। इसके व्यावसायिक क्षमता को समझते के साथ इसमें सामाजिक बदलाव लाने की ताकत को भी पहचाने। हम सभी इस बात से भलीदृभांति परिचित हैं कि सामाजिक बदलाव के आंदोलन की सफलता जनता की भावनाओं के चरम पर पहुंचने पर निर्भर है। औरॉ खेल तो पूरी तरह भावनाओं के ज्वार पर ही चलता है। भारत हो या दुनिया का कोई और देशॉ क्लब स्तर के मैचों तक में दोनों पक्षों की भावनाएं जीत का आधार बनाती हैं। ऐसे में खेलों को छोटे से वैश्विक स्तर तक सामाजिक बदलाव का वाहक बनाया जा सकता है। एशियाई खेलों में भारत की सफलता की बात करें तो इस बार कई ऐसे राज्यों के खिलाडिघ्यों ने पदक जीते हैॉ जहां खेलों की स्थिति बहुत बेहतर नहीं रही है। जहां लड़कियों को खेलों में हिस्सेदारी से रोका जाता था। जिन प्रदेशों को कुछ वर्ष पहले तक अपराध और गरीबी के लिए जाना जाता थाय मसलनॉ उत्तर प्रदेशॉ झारखंड और पश्चिम बंगाल। एशियाई खेलों में इस बार उत्तर प्रदेश ने ओवरऑल २१ पदक जीते और राज्यों की रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहा। वहींॉ व्यक्तिगत पदक के मामले में सात मेडल के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचा। झारखंडॉ उत्तराखंडॉ पश्चिम बंगाल और राजस्थान जैसे राज्यों ने भी प्रगति की है। यह खेलों के माध्यम से समाज में हो रहे बदलाव का ही सुफल हैघ्। पारूल चौधरी का पांच हजार मीटर का दौड़ याद कीजिए। उन्होंने महज ३० सेकेंड में बाजी पलटी और सोने का तमगा हासिल किया। जब उनसे पूछा गया कि अंतिम क्षणों में जीत के लिए आपकी प्रेरणा क्या थीॉ तो उन्होंने जो जवाब दिया वह सामाजिक उत्थान में खेलों की भूमिका को दर्शाता है। पारूल ने कहा कि मुझे लगा कि अगर मैं दूसरे नंबर पर रहती हूं तो सब इंस्पेक्टर ही बन पाऊंगीॉ पर अगर पहले स्थान पर आ जाती हूं तो सीधे डीएसपी बनने का ख्वाब पूरा होगा। इस खिलाड़ी ने उन अंतिम क्षणों में अपना सबकुछ झोंक दिया और मंजिल पा ली। यह कहानी किसी एक पारूल की नहीं है। कई खिलाडिईयों ने अपने सशक्तिकरण के लिए खेल को माध्यम बनाया। कई खिलाडिघ्यों ने समाज को बदलने के लिए खेल को माध्यम बनाया। आज रूस और यूक्रेनॉ इस्राइल और हमास युद्ध की आग में जल रहे हैॉ ओलंपिक के साथ खेल की अन्य वैश्विक खेल आयोजनों को वैश्विक शांति का माध्यम बनाने की जरूरत है। स्मिथ और कार्लोस की तरह ही किसी यूक्रेनी और रूसी खिलाड़ी को शांति की पहल करने की आवश्यकता है। वैश्विक खेलों का आयोजन करने वाली संस्थाओं को भी व्यावसायिक महावकांक्षा से आगे बढ़कर अपने मूल लप्य की ओर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत हैघ्। दिल्ली और उसके आसपास 'स्वास्थ्य इमरजेंसीश जैसे हालात हैॉ लेकिन किसी को परवाह नहीं है। हम अगले कुछ हफ्ते तक इस मामले में शोरदृशराबा करेंगे बस। भाजपा और आप एकदृदूसरे पर आरोप लगाएंगेॉ जबकि सचाई तो यह है कि लोग मर रहे हैं। मगर सरकार में ऐसा एक भी शख्स नहीं है जो परेशान हो। एशियाई खेलों में इस बार भारत ने इतिहास का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उसने पहली बार १०७ पदक जीते और अपनी पदकों की संख्या को तिहरे अंक तक पहुंचाया। कई ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले खिलाडिघ्यों ने उम्मीद से बेहतर खेल दिखाएॉ तो कई गुमनाम एथलीटों को पहचान मिल गई। सवाल है कि क्या वो समय फिर से आ चला है जब खेलों को व्यक्तित्व निखारने बेहतर रणनीतिकार बनाने और तंदरूस्त रखने की परिधि से बाहर करें। इसके व्यावसायिक क्षमता को समझते के साथ इसमें सामाजिक बदलाव लाने की ताकत को भी पहचाने। हम सभी इस बात से भलीदृभांति परिचित हैं कि सामाजिक बदलाव के आंदोलन की सफलता जनता की भावनाओं के चरम पर पहुंचने पर निर्भर है। औरॉ खेल तो पूरी तरह भावनाओं के ज्वार पर ही चलता है। भारत हो या दुनिया का कोई और देशॉ क्लब स्तर के मैचों तक में दोनों पक्षों की भावनाएं जीत का आधार बनाती हैं। ऐसे में खेलों को छोटे से वैश्विक स्तर तक सामाजिक बदलाव का वाहक बनाया जा सकता है। एशियाई खेलों में भारत की सफलता की बात करें तो इस बार कई ऐसे राज्यों के खिलाडिघ्यों ने पदक जीते हैॉ जहां खेलों की स्थिति बहुत बेहतर नहीं रही है। जहां लड़कियों को खेलों में हिस्सेदारी से रोका जाता था। जिन प्रदेशों को कुछ वर्ष पहले तक अपराध और गरीबी के लिए जाना जाता थाय मसलनॉ उत्तर प्रदेशॉ झारखंड और पश्चिम बंगाल। एशियाई खेलों में इस बार उत्तर प्रदेश ने ओवरऑल २१ पदक जीते और राज्यों की रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहा। वहींॉ व्यक्तिगत पदक के मामले में सात मेडल के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचा। झारखंडॉ उत्तराखंडॉ पश्चिम बंगाल और राजस्थान जैसे राज्यों ने भी प्रगति की है। यह खेलों के माध्यम से समाज में हो रहे बदलाव का ही सुफल हैघ्। पारूल चौधरी का पांच हजार मीटर का दौड़ याद कीजिए। उन्होंने महज ३० सेकेंड में बाजी पलटी और सोने का तमगा हासिल किया। जब उनसे पूछा गया कि अंतिम क्षणों में जीत के लिए आपकी प्रेरणा क्या थीॉ तो उन्होंने जो जवाब दिया वह सामाजिक उत्थान में खेलों की भूमिका को दर्शाता है।

पीएम के चेहरे पर चुनाव लड़ना क्या कारगर होगा?

राजनीतिक हलकों में इस पर चर्चा चल रही है कि न तो मध्यप्रदेश में वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पार्टी के मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश करने और न ही अपने दो पूर्व मुख्यमंत्रियों वसुंधरा राजे सिंधिया और रमन सिंह को राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश करने के भाजपा के निर्णय से उसे हानि होगी या लाभ? लेकिन इन तीनों राज्यों में भाजपा की प्रचार की रणनीति और उसके समर्थकों के मूड को देखकर यह तो साफ है कि उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही एक बार फिर पार्टी के प्रचार का चेहरा बने हुए हैं। जमीनी संकेत बताते हैं कि 20 से 25: मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व से प्रभावित होने के कारण भाजपा को वोट देने का इरादा रखते हैं। मोदी ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों सहित कई विधानसभा चुनावों में भाजपा को जीत दिलाई है, कुछेक अपवादों को छोड़कर, जिनमें कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश नवीनतम उदाहरण हैं। गौरतलब है कि 2018 के विधानसभा चुनावों में भाजपा राजस्थान, छत्तीसगढ़ और एमपी में कांग्रेस से हार गई थी। सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या नरेंद्र मोदी इन तीन राज्यों में पार्टी को जीत दिला सकते हैं, जहां उसकी सीधी लड़ाई कांग्रेस से है? या क्या कांग्रेस इन राज्यों में भाजपा को हरा पाएगी? सवाल यह भी पूछे जा रहे हैं कि क्या भाजपा ने इन चुनावों में अपना मुख्यमंत्री चेहरा पेश न करके सही किया है या उससे गलती हो गई है? इनके उत्तर तो चुनावी नतीजों के बाद ही पता चलेंगे, लेकिन इन राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्रियों की लोकप्रियता–रेटिंग के विश्लेषण से पता चलता है कि शायद भाजपा ने सही निर्णय ही लिया है। पार्टी को मिले वोटों की तुलना में नेता की उच्च लोकप्रियता–रेटिंग इस बात का संकेत होती है कि नेता अपनी लोकप्रियता के दम पर पार्टी के लिए वोट खींचने में सक्षम है। वहीं पार्टी के वोट–शेयर की तुलना में नेता की कम लोकप्रियता–रेटिंग नेता की अपनी पार्टी के लिए वोट खींचने में असमर्थता का संकेत है। 2008, 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों के दौरान लोकनीति–सीएसडीएस द्वारा किए गए चुनाव–उपरांत सर्वेक्षण के डाटा से हमें उन चुनावों के दौरान शिवराज सिंह चौहान, रमन सिंह और वसुंधरा राजे की लोकप्रियता–रेटिंग को समझने में मदद मिलती है। साथ ही उससे हम यह भी समझ पाते हैं कि क्या उन्होंने वोट पाने में पार्टी की मदद की है। 2013 के विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के वोट–शेयर की तुलना में रमन सिंह की लोकप्रियता–रेटिंग अधिक थी, लेकिन 2018 के चुनाव के दौरान उनकी लोकप्रियता–रेटिंग पार्टी के समर्थन–आध ार की तुलना में बहुत कम हो गई थी। ताजा चुनाव–पूर्व सर्वेक्षण भी ऐसी स्थिति में रमन सिंह की भाजपा के वोट–शेयर अनुमान की तुलना में कम लोकप्रियता का संकेत देता है, जिसमें भाजपा मतदान के अंतिम दिन से कुछ हफ्ते पहले तक कांग्रेस से पिछड़ती दिखती हो। मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी पैटर्न कमोबेश इस जैसा ही था। मध्य प्रदेश में, 2008 और 2013 के विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी के वोट–शेयर की तुलना में शिवराज की लोकप्रियता अधिक थी, जो स्पष्ट रूप से पार्टी के लिए वोट खींचने की उनकी क्षमता को दर्शाता है। लेकिन 2018 के विधानसभा चुनावों के दौरान शिवराज की लोकप्रियता–रेटिंग उस चुनाव में भाजपा को मिले वोटों के समान थी, जो पार्टी के लिए वोट खींचने की उनकी क्षीणतर क्षमता के साथ ही उनकी घटती लोकप्रियता का भी संकेत है। चुनाव–पूर्व सर्वेक्षण के निष्कर्षों से पता चलता है कि कहानी बदली हुई नहीं लगती है। शिवराज की लोकप्रियता रमन सिंह या वसुंधरा की तुलना में अधिक है, फिर भी यह अक्टूबर के आखिरी सप्ताहों में आयोजित चुनाव–पूर्व सर्वेक्षण के आध ार पर भाजपा के अनुमानित वोट–शेयर की तुलना में कम है। यही स्थिति राजस्थान की है। 2008 के विधानसभा चुनाव के दौरान वसुंधरा की लोकप्रियता उस चुनाव में भाजपा के वोट–शेयर की तुलना में बहुत अधिक थी, लेकिन 2018 के चुनाव के दौरान उनकी लोकप्रियता उस चुनाव में भाजपा के वोट–शेयर (39:) की तुलना में 11: कम (28:) थी। चुनाव–पूर्व सर्वेक्षण के आधार पर वसुंधरा की लोकप्रियता और अनुमानित वोट–शेयर के अनुमान से पता चलता है कि इन दोनों मानकों के बीच का अंतर और बढ़ गया है, जो उनकी वोट खींचने की घटती क्षमता का परिचायक है। आश्चर्य नहीं कि भाजपा इनमें से किसी पर भरोसा नहीं करके प्रधानमंत्री के चेहरे पर विधानसभा चुनाव लड़ रही है। शिवराज की लोकप्रियता रमन सिंह या वसुंधरा की तुलना में अधिक है,।

धर्मराजी देवी के जन्मदिवस पर वृद्धाश्रम व अनाथालय में रक्तदान शिविर आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कल्याणी जन सेवा समिति सैदनपुर द्वारा धर्मराजी देवी की जयंती पर निर्माणाधीन धर्मराजी देवी वृद्धाश्रम एवं अनाथालय सैदनपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि मनोरमा मौर्या अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर ने दीप प्रज्वलित एवं प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर फीता काटकर किया गया। मुख्य अतिथि ने संस्था के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि संस्था को समस्त सुविधाएं नगर पालिका से मुहैया कराई जाएगी। विशिष्ट अतिथि डॉ रामसूरत मौर्या अध्यक्ष प्रतिनिधि तथा प्रमुख सर्राफा व्यवसायी विश्वनाथ प्रसाद छंगनलाल सेठ अधिष्ठाता आनंद सेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिल्डिंग कांट्रेक्टर मेवालाल मौर्य ने किया।आयोजन डॉ नन्द कुमार मौर्य ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक व्यक्ति रक्तदान कर तीन लोगों के जीवन को बचा सकता है। प्रतिदिन 12000 हजार लोग समय से खून न मिलने के कारण जान से हाथ धो बैठते हैं। अतः सभी को निरूस्वार्थ भाव से रक्तदान में प्रतिभाग करना चाहिए। मुख्य अतिथि द्वारा इस अवसर पर वृक्षारोपण संस्था को आशीष प्रदान किया।उमानाथ सिंह चिकित्सालय ब्लड बैंक की शालिनी मौर्या ,अरुण कुमार सिंह, चंद्रप्रकाश सिंह,अरविंद कुमार यादव,डॉ शयन दास पूरी टीम के साथ रक्तदान में सहयोग किया।इस अवसर पर दीपक श्रीवास्तव पत्रकार ,मोहम्मद खालिद,घनश्याम मौर्य, सविता शुक्ला, प्रवीण कुमार शुक्ला, सीमा यादव, अरुणोदय पांडेय, मनोज कुमार मौर्य, मनीष कुमार मौर्य, आलोक रंजन सिन्हा, सभाजीत यादव, रामजीत पांडेय, विवेक मौर्य, राजेंद्र मौर्य सभासद, मुकेश दुबे, सुभाष सरोज, प्रमोद प्रजापति, हरकेश मौर्य, मुन्नालाल मौर्य, विनय गुप्ता, राजकुमार सेठ, आकाश मौर्य, मौर्य शाक्य सभा के जिला अध्यक्ष प्रेमचंद मौर्या, श्याम बिहारी सुमन, अशोक राव, संजय कुमार कोषाध्यक्ष, सुरेंद्र मौर्य, आशीष मौर्य, जय सिंह यादव, रूपा गुप्ता सभासद,आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र कुमार चौधरी ने किया। समिति की प्रबंधकध्‍ सचिव श्रीमती जयमाला प्रखर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

धनतेरस का महा संयोग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इस बार धनतेरस पर शनि मार्गी होकर अपनी मूलत्रिकोण राशि कुंभ में होंगे। यह संयोग 30 साल बाद बन रहा है। यही नहीं, शुक्र और चंद्रमा, कन्या राशि में होंगे। इसके साथ हस्तनक्षत्र भी रहेगा। हस्त नक्षत्र के स्वामी चंद्रमा हैं,साथ ही साथ इस दिन शुक्र प्रदोष भी है। इस नक्षत्र में खरीदारी बहुत शुभ मानी जाती है। ऐसे में इस बार ध्नतेरस पर बंपर कारोबार होन के आसार हैं।

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाया जाता है। इस बार 10 नवंबर को यह त्योहार मनाया जाएगा। गोमतीनगर स्थित ज्योतिषायन के आचार्य दीपक दुबे ने बताया कि इस दिन धनाध्यक्ष कुबेर की पूजा होती है। इसके साथ भगवान धनवंतरि जयंती भी मनाई जाती है। माना जाता है कि आयुर्वेद के जन्मदाता भगवान धन्वंतरि इसी दिन समुद्र मंथन से निकले थे। ध्नतेरस पर शाम को यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। शाम को आटे या मिट्टी का चौमुखी दीपक प्रज्ज्वलित कर मुख्य द्वार पर दक्षिण की ओर रखा जाता है। मान्यता है कि इस दीपदान से असामयिक मृत्यु का भय समाप्त होता है। 10 नवंबर को धनतेरस से दीपोत्सव शुरू हो जाएगा, जो भाई दूज तक चलेगा। इस बार त्योहारों का सिलसिला पांच के बजाय छह दिन चलेगा। आचार्य दीपक दुबे ने बताया कि 10 नवंबर को धनतेरस के बाद 11 को नरक चतुर्दशी व हनुमान जयंती और 12 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। अगले दिन 13 नवंबर को स्नान–दान की सोमवती अमावस्या रहेगी। इस कारण दूसरा त्योहार नहीं मनाया जाएगा। फिर 14 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 15 नवंबर भाई दूज व चित्रगुप्त पूजन होगा।

यूपी बनेगा इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का गढ़

लखनऊ (संवाददाता)। पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण के साथ प्रदेश को ई वाहनों का गढ़ बनाने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा पर खासा जोर है। अगले चार साल में 5000 ई बसों से एक–एक गांव को जोड़ा जाएगा। ये ई बसें यूपी में ही तैयार होंगी। वैकल्पिक ऊर्जा के तहत 7500 मेगावाट सोलर बिजली उत्पादन के लिए 100 से ज्यादा इकाइयां आगे आई हैं।

सोलर पालिसी इस दिशा में मील का पत्थर साबित हुई है। पर्यावरण के अनुकूल प्रोजेक्ट को लेकर कई देश संवेदनशील हैं। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए कम ब्याज पर लोन देने को तैयार हैं।

परमेश्वर का ध्यान और भजन समग्र जीवन के कल्याण का आधार है : आचार्य अशोक

हरदोई। अहमदनगर में आयोजित शिवोत्सव में आचार्य अशोक ने कहा कि शिव सत्संग मण्डल, ऋषियों मुनियों एवं संत परंपरा से समाज को जोड़ने का कार्य कर रहा है। शिवोत्सव में श्रद्धालुओं से कहा कि सभी सत्संग परिवार संस्कारित होकर समाज व देश के निर्माण में योगदान दें।समाज निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाएं। सनातन संस्कृति में कर्म प्रधान है।कर्म ही आपका धर्म है। बताया कि विदेशी संस्कृतियां सत्ता प्राप्ति का एक साधन हैं।

आचार्य अशोक ने कहा कि देवों के देव महादेव सभी के परमपिता हैं।महादेव की शक्ति भारतीय ग्रंथों में वर्णित है।प्रभु से यही विनती है कि जनकल्याण करने का आशीर्वाद देते रहें।कहा कि सत्संग से विभिन्न स्थानों पर जाने का अवसर प्रभु कृपा से ही मिलता है।

श्रद्धावान, साधना में तत्पर और जितेन्द्रिय मनुष्य ज्ञानको प्राप्त होता है, ज्ञानको प्राप्त होकर वह तत्काल ही उत्कृष्ट शांतिको प्राप्त होता है ।

आध्यात्मिक अंतःकरण संपन्न मनुष्य की समस्त सांसारिक एषणायें, प्रवृत्तियां शांत, अंतर्मुखी और स्थिर हो जाती हैं। शांति का मूल आधार केवल आध्यात्मिक विचार ही है । संसार के त्रिविध तापों और क्लेशों में उलझा मनुष्य अशांत, व्यग्र, असहज, असंतुलित और अत्यन्त विचलित रहता है। इसका एक ही कारण है कि, उसके पास सही विचार, दिशा और दशा नहीं है। जब मनुष्य के पास सद्विचारों का प्रकाश आता है, तो उसे शाश्वत आह्लाद की संप्राप्ति होती है। आनंद का अर्थ है, प्रसन्नता, शांति, स्फूर्ति, उमंग और उल्लास का आना। प्रसन्नता वस्तु और पदार्थ सापेक्ष नहीं अपितु विचार सापेक्ष है।

उन्होंने कहा कि शिव आराधना से लौकिक,पारलौकिक सुख ऐश्वर्य व आनंद प्राप्त होता है।

शिव स्तुति करने से मन

में प्रसन्नता की लहर दौड़ जाती है। आध्यात्मिक शक्तियों से स्व परिवर्तन

के साथ साथ वैश्विक परिवर्तन संभव हो जाता है। परमात्मा का प्रकाश स्वरूप

से ध्यान करने मात्र से जीवन में अलौकिक बदलाव आता है।आचार्य जी ने कहा कि धर्म पर जो चला वह उन्नति की ओर बढ़ा।ध्यान और भजन से मनुष्य एक बेहतर इंसान बनता है। अटूट श्रद्धा और विश्वास से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं।

लखीमपुर के जिला अध्यक्ष जमुना प्रसाद जी ने कहा कि साधना के पथ पर अग्रसर होकर हमें जो भी ऐश्वर्य,ज्ञान,धन आदि मिले, उससे शुभ कार्य करें। यज्ञ करें।समाज की सेवा करें।जरूरत मंद पर व्यय करें। हमें गर्व होना चाहिए कि हम त्रिकालदर्शी ऋषियों की संतान हैं।हम परमेश्वर के विशुद्ध तेज का ध्यान करें। परमेश्वर हमारी बुद्धियों को सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करे।

व्यवस्थापक यमुना प्रसाद ने सत्संग की महिमा बताई। प्रचारक प्रेम भाई ने कहा कि सज्जनो से जुड़ें और समाज को अच्छा बनायें। रामअवतार ने दान व सेवा का महत्व बताया। नन्हे लाल,सत्संगी इंस्पेक्टर एवं रविलाल ने कहा कि धर्म अध्यात्म में लोक कल्याण सर्वोपरि होता है।

इस शिवोत्सव का शुभारम्भ अध्यात्म प्रचारक प्रेम भाई ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बहन अंजलि ने सामूहिक ईश प्रार्थना प्रस्तुत की।

अम्बरीष कुमार सक्सेना, सत्संगी आसाराम ने प्रेरणादायी भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर लिया। इस शिवोत्सव की अध्यक्षता शाहजहांपुर के सत्संगी रघुनाथ ने की।

समापन पर सभी सत्संगी जनों ने रोजाना ब्रह्ममुहूर्त में उठकर प्रभु का सुमिरन करने का शिव संकल्प लिया।

इस धर्म उत्सव में धीरेंद्र सिंह अजय पाल महात्मा नाहर सिंह गेंदन लाल राम प्रताप राजपाल हरिश्चंद्र आसाराम श्रीपाल राजकुमार देव सिंह अवधेश, सुनील शिबू रामकुमार कुलदीप महेश सुरजीत विनोद कुमार ओंकार प्रदीप ऋषिपाल बबलू हंसराम रामनिवास सहित सैकड़ो लोगों ने सहभागिता की।

आई0 आई0 एल0 एम0 एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग में डांडिया नाइट का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर स्थित आई0आई0एल0एम0 एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में दिनांक 04 नवम्बर 2023 को समाज सेवा गतिविधियों के लिये फंड रेज करने के उद्देश्य से ''डांडिया नाइट'' का आयोजन संस्थान परिसर में किया गया। कार्यक्रम के प्रति छात्रों में विशेष उत्साह था। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की डीन – एकेडेमिक्स, डा0 शीतल शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत के साथ किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को त्योहारों के मौसम का आनंद लेने का अवसर प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें इस प्रकार के कार्यक्रमों का शुरू से अंत तक आयोजन करना सिखाना एवं समाज सेवा के प्रति जागरूक तथा प्रेरित कराना है। इसमें आईआईएलएम संकाय, स्टाफ सदस्यों, पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों सहित 300 से अधिक प्रतिभागी थे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिये छात्र विभिन्न पारंपरिक परिधानों मे संस्थान परिसर मे जमा हुए थे। जैसे–जैसे शाम रात्रि में बदल रही थी, वैसे–वैसे छात्रों का उत्साह आसमान छू रहा था। छात्रों ने डांडिया की हर धुन पर जम कर डांस किया। यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य संयोजक प्रो0 फवाद अली खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सिद्दीकपुर से जमुहायी मार्ग के चौड़ीकरण की स्वीकृति मंजूर

राज्य मंत्री ने मुख्यमंत्री और सड़क परिवहन मंत्री का जताया आभार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव के प्रयास से सदर विधानसभा में कई परियोजना स्वीकृति कराई गयी।जिसमे कुछ परियोजना पुरे हो गए और कुछ परियोजना अभी चल रही है उसी कड़ी में एक परियोजना जौनपुर में सिद्दीकपुर से जमुहायी मार्ग जिसकी लम्बाई 11.600 किलोमीटर है जो जौनपुर व आजमगण की सीमा को जोड़ती है।

इस सड़क को चौडीकरण व सुधरिकरण करने के लिए उत्तर प्रदेश शासन से प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृत मिल गयी है।

इस सड़क परियोजना में खर्च होने वाली राशि की अनुमोदित लागत 1843.25 लाख (रूपये अठ्ठारह करोड़ तिरालिस लाख पच्चीस हजार मात्र) है। इस परियोजना के बन जाने से जनपद वासियों को बहुत लाभ मिलेगा. इस परियोजना को स्वीकृत करने के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी व लोक निर्माण मन्त्री जितीन प्रसाद जी को बहुत–बहुत आभार। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दिया गया।

नरेंद्र मोदी विचार मंच एवं मिशन न्यू इंडिया की बैठक सम्पन्न

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव प्रेस महासभा के जिलाध्यक्ष मनोनीत

जौनपुर नरेंद्र मोदी विचार मंच एवं मिशन न्यू इंडिया जौनपुर की आवश्यक बैठक शास्त्रीनगर जौनपुर जिला अध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन डॉक्टर संजय पांडेय एवं राष्ट्रीय प्रभारी सौरभ द्विवेदी ने संगठन के बारे में विस्तार पूर्वक लोगो को जानकारी साझा किया। इस अवसर पर संगठन के नए पदाधिकारीयो की नियुक्त किया गया। जिसमें नरेंद्र मोदी विचार मंच के युवा अध्यक्ष आदर्श श्रीवास्तव एवं प्रेस महासभा का जिला अध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव (दीपक) पत्रकार एवं सूचना प्रौद्योगिकी जिला अध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय पत्रकार एवं अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष सैफ अली एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन जिला अध्यक्ष रोहित मिश्रा शिक्षक मंच जिला अध्यक्ष विवेक उपाध्याय एवं चिकित्सा मंच जिला अध्यक्ष डॉक्टर सर्वेस श्रीवास्तव को मनोनीत किया गया । इस मौके पर संगठन के 80 और पदाधिकारी को नियुक्त पत्र किया गया। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ राष्ट्रीय महामंत्री डॉ संजय पांडे राष्ट्रीय प्रभारी सौरभ द्विवेदी द्वारा लोगों से 2024 में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में सहभागिता निभाने के लिए वचनबद्ध कराया।नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि भाई चाणक्य जी के सपनों को भारत बनाने की लिए सभी एक साथ हुंकार भरी। लोगो ने एक स्वर में मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प दोहराया।

अद्वितीय यादव अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए पुरस्कृत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भैया संस्थान के भौतिकी विभाग के शोधछात्र अद्वितीय यादव को आईआईटीएम साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली द्वारा चार से पांच नवंबर, 2023 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई कॉन्फ्रेंस षरिसेंट एडवांसेस इन सांइस एंड टेक्नोलोजीष में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए पुरस्कृत किया गया है। अद्वितीय को यह पुरस्कार नॉन डिस्ट्रक्टिव विधि से भारतीय गंगा बेसिन में एरोसोल्स के ऊपर किए गए शोध कार्य के लिए प्रदान किया गया है। एरोसोल्स की सांद्रता गंगा बेसिन क्षेत्र में ज्यादा पाया गया, जिससे श्वशन संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है और वायु गुणवत्ता सूचनांक अधिक हो जाता है।

इस अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में देश – विदेश के विभिन्न संस्थानों ध् विश्वविद्यालयों के 200 से अधिक प्रोफेसर्स, वैज्ञानिक और शोधार्थी शामिल हुए थे, जहां भौतिकी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति हेतु पुरस्कृत किया गया।

अद्वितीय यादव प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया संस्थान के निदेशक और भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार यादव के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं।

सह– शोध निर्देशक तथा भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. श्रवण कुमार ने कहा कि इस तरह के अध्ययन से भविष्य में आने वाले धूल भरी आंधियों का पूर्वानुमान संभव हो सकेगा जिससे कि संभावित जन हानि को कम किया जा सकेगा। उनकी इस सफलता के लिए रज्जू भैया संस्थान के सभी प्राध्यापकों सहित विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षको ने बधाई दी।

विद्यार्थियों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु करें जागरूक : कुलपति

कालेजों में निर्वाचन साक्षरता क्लब को सक्रिय करने का निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता अभियान को तीव्रगति देने के लिए वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को बैठक कुलपति कक्ष में हुई। इसमें विश्वविद्यालय परिसर में स्थित शैक्षणिक संस्थानों और जनपद में स्थित महाविद्यालयों में गठित निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से सक्रियता के साथ मतदाता जागरूकता अभियान चलाने और अर्ह लोगों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए चर्चा हुई।

इस अवसर पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा कि जनपद जौनपुर के सभी महाविद्यालयों को पत्र भेजकर निर्देशित किया गया है कि स्वीप योजना के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता अभियान को सक्रियता के साथ चलाया जाना है तथा विभिन्न माध्यमों से प्रचार–प्रसार कराये जाने एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से निर्वाचन साक्षरता बढ़ाना है और लोगों को जागरूक करना है ताकि वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराये। उन्होंने कहा कि महिला, पुरुष, दिव्यांग, तृतीय लिंग और युवा जो 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले हो या जिनका नाम मतदाता सूची में छूटा हो वे अपना नाम मतदाता सूची में पंजीकृत कराये। उन्होंने पीयू से संबद्ध सभी महाविद्यालयों को निर्देशित किया कि उनके यहां अध्ययनरत छात्र छात्राओं के नाम मतदाता सूची में पंजीकरण हेतु एक मतदाता हेल्प डेस्क की स्थापना कर कोआर्डिनेटर की तैनाती सुनिश्चित करायी जाय तथा प्रत्येक कक्षा में इसकी घोषणा करा दी जाय कि जिनकी आयु 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है वे अपना नाम सम्मिलित कराने हेतु आनलाइन या आफलाइन फार्म–6 अवश्य भरें। महाविद्यालय द्वारा नामित किये गये कोआर्डिनेटर के नाम एवं मोबाइल नम्बर और छात्र संख्या आदि की सूचना स्वयं रखें एवं विश्वविद्यालय के स्वीप नोडल ज्ञानेंद्र कुमार पाल (इंजीनियरिंग संस्थान) को प्रत्येक दशा में 3 दिन के अन्दर अवश्य उपलब्ध कराई जाए। प्रत्येक कालेज में एक कक्ष को वोटर रजिस्ट्रेशन कक्ष के रूप में स्थापित किया जाय जिसमें कम्प्यूटर, इन्टरनेट, यूपीएस की उपलब्धता हो, जिससे वोटर हेल्पलाइन ऐप व वोटर सर्विस पोर्टल एप के माध्यम से आंनलाइन पंजीकरण का कार्य कराया जा सके तथा आफलाईन फार्म भी प्राप्त करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन विद्यार्थियों के परिवार का भी नाम मतदाता सूची में है कि नहीं इसकी पूरी जानकारी लेकर नाम दर्ज कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा शिफ्टेड मतदाता या जिनका नाम मतदाता सूची में पहले से कही हैं और अब वे किसी अन्य शहरध्‍ विधानसभाध्पोलिंग बूथ पर वोटर बनना चाहतें हैं तो फार्म 8 भरकर मतदाता बने। इस अवसर पर कुलसचिव महेन्द्र कुमार, पीयू के स्वीप नोडल ज्ञानेन्द्र कुमार पाल, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, निजी सचिव लक्ष्मीकान्त मौर्य, दिलीप यादव, रितेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

दरोगा ने महिला के पेट पर मारी लात

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली जिले में एक दरोगा के द्वारा अमानवीय हरकत का वीडियो वायरल हुआ है। मामले की जांच करने पहुंचे एक दरोगा ने एक महिला के पेट पर लात मार दी। अब पीड़ित परिवार इस मामले में न्याय की गुहार लगा रहा है। रायबरेली जिले में मारपीट के मामले की सूचना पर गांव पहुंचे मिल एरिया थाने में तैनात दरोगा हिमांशू मलिक ने घर में घुसकर एक महिला के पेट में लात मार दी। इससे महिला को गंभीर चोटें आई। पीडिघ्त परिवार ने उसका जिला अस्पताल में इलाज कराया। पीडिघ्त परिवार ने पुलिस अधीक्षक से प्रकरण की शिकायत करके कार्रवाई की मांग की। एसपी आलोक प्रियदर्शी के निर्देश पर सीओ सदर ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। दोनों पक्षों के बीच मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मिल एरिया थाना क्षेत्र के पूरे बृजवासी के पुरवा गांव निवासी राजकुमार यादव और उसके भाई रमेश कुमार के बीच जमीनी विवाद चल रहा था। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

जिला चिकित्सालय में स्थित पैथालॉजी में भारी संख्या में डेंगू पीड़ित रोगियों की संख्या

रोगियों के बढ़ते दबाव के चलते सरकारी व निजी पैथालॉजी के जांच मे भारी संख्या में अंतर

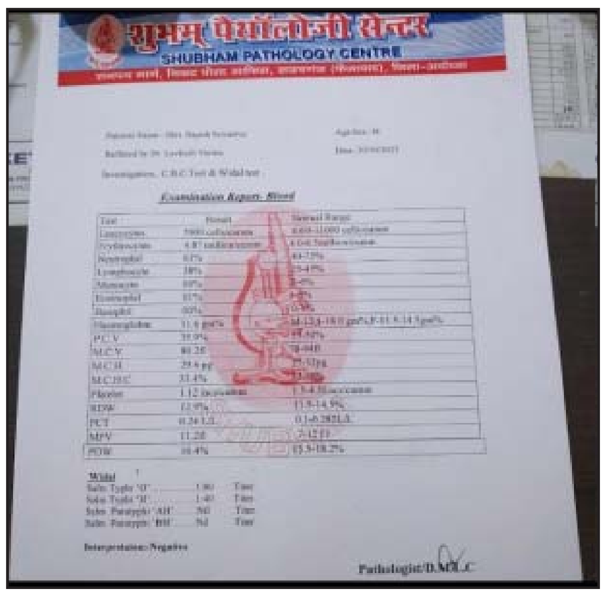

अयोध्या। इस समय डेंगू का का कहर बहुत ही तेजी से फैला हुआ है।जिसका असर न शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक दिख रहा है।डेंगू के कहर का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सभी निजी व सरकारी चिकित्सालयों में काफी तादाद में डेंगू से पीड़ित रोगी भर्ती हो रहे हैं। इस समय सबसे अधिक समस्या डेंगू से पीड़ित उन रोगियों व उनके परिजनों को हो रही है जिनकी जिला चिकित्सालय व अन्य निजी पैथालॉजी जांच में आ रहे रिपोर्ट में काफी भिन्नता आ रही है।जिसके चलते सरकारी व निजी पैथालॉजी जांच में वास्तव में कौन सी जांच रिपोर्ट सही है और कौन सी रिपोर्ट गलत है। इसका सही अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। इसका जीता जागता उदाहरण इसी बात से लगाया जा सकता है कि 30 अक्टूबर को कोतवाली नगर क्षेत्र में अश्वनी पुरम कालोनी निवासी राजेश श्रीवास्तव ने अपने डेंगू की जांच चिकित्सकों की सलाह पर जिला चिकित्सालय में कराया था।तब वहां पता चला कि उक्त रिपोर्ट तीन दिन बाद मिलेगी।वही शाम को उक्त रोगी की तवियत अधिक खराब हो गई तो उसने उसी दिन शाम को शहर के एक निजी चिकित्सालय में जांच कराया।तब उस जांच रिपोर्ट में डेंगू रिपोर्ट में कुल प्लेट्स की संख्या एक लाख बारह आयी।वही जिला चिकित्सालय में हुई जांच रिपोर्ट में महज प्लेटलेट्स की संख्या बाइस हजार ही आई।जिला चिकित्सालय की रिपोर्ट सही है या फिर निजी चिकित्सालय का।इसी तरह का एक ही मामला जिला चिकित्सालय व अन्य निजी पैथालॉजी जांच की रिपोर्ट में अंतर नहीं है और कई रिपोर्ट में काफी अंतर आ रही है।

क्या कहते हैं जिला पुरुष चिकित्सालय के सीएमएस

इस संबंध में जिला पुरुष चिकित्सालय के सीएमएस डॉ बृज कुमार ने बताया कि इस समय जिला चिकित्सालय में स्थापित डेंगू से पीड़ित रोगियों के आने वाले मरीजों में काफी इजाफा हुआ है।वही यहां पर स्थित पैथालॉजी में होने वाली जांच में काफी भीड़ होने से कुछ रिपोर्ट गलत हो सकती है। फिलहाल कोशिश यही रहती है कि जांच रिपोर्ट सही व पारदर्शी रहे।

बच्चों के लिए सुरक्षित व सुखमय विश्व व्यवस्था बनाना ही हमारा मकसद, की घोषणा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के तत्वावधान में आयोजित शविश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 61 देशों से पधारे मुख्य न्यायाधीशों व न्यायाधीशों 24वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे मुख्य न्यायाधीशों, न्यायाधीशों व प्रख्यात हस्तियों ने एक स्वर से घोषणा की है कि बच्चों के लिए सुरक्षित व सुखमय विश्व व्यवस्था बनाना ही हमारा मकसद है और इसी उद्देश्य हेतु हम यहाँ एकत्रित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सभी के सहयोग व प्रयास से एकता, शान्ति व सौहार्द का वातावरण बनेगा। समारोह की अध्यक्षता करते हुए हैती के पूर्व प्रधानमंत्री जीन– हेनरी सेन्ट ने कहा कि मैं डॉ. जगदीश गाँधी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होने आज की जरूरत को पहचाना और विश्व के बच्चों के सुरक्षित व सुखमय भविष्य के लिए विगत कई वर्षों से इस सम्मेलन को आयोजित कर रहे हैं। न्यायविदों व कानूनविदों की आवाज वैश्विक शान्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। सी.एम.एस. के इस ऐतिहासिक सम्मेलन में 61 देशों के 250 से अधिक मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश समेत विभिन्न देशों के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री व अन्य प्रख्यात हस्तियाँ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। विचार रखते हुए

सम्मेलन के चौथे दिन आज प्रातःकालीन सत्र के प्लेनरी सेशन में अपने इथियोपिया कॉन्स्टीट्यूशनल काउन्सिल के प्रेसीडेन्ट स्नायमूर्ति लेनी टिवोड्रोस मेहेरेट केबेडे ने कहा कि इथोपिया ने 20 वर्षों के संघर्ष में जान व माल के नुकसान व युद्ध की भीषणता को देखा है और इसलिए बच्चों के भविष्य की सुरक्षा की अनिवार्यता से हम भरपूर वाकिफ हैं। उन्होंने विश्व सरकार व वैश्विक कानून की सी.एम.एस., छात्रों की मांग का पुरजोर समर्थन किया। अल्बानिया के हाई ज्यूडिशियल काउन्सिल की अध्यक्ष न्यायमूर्ति नौरेदा एल लागामी ने कहा कि विश्व संसद सम्भव है लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय कानून के नियमों को सामाजिक मानदण्डों के रूप में परिवर्तित किया जाना चाहिए जो सभी राज्यों, व्यक्तियों और कानूनी संगठनों पर लागू हो। मलावी सुप्रीम कोर्ट के जज, न्यायमूर्ति रोलैंड सेक्स्टस एमबीवंडुला ने कहा कि बच्चों को सुरक्षित एवं सुखद वातावरण प्रदान करना हम वयस्क लोगों का कर्तव्य है, ये वो स्वयं से नहीं पा सकते। एकता व शान्ति स्थापना के लिए सबसे जरूरी है कि मानव अधिकारों का पूरा सम्मान हो। जाम्बिया के डेप्युटी चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति माइकल मुसोंडा ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय कानून व्यवस्था लागू करना समय की मांग है क्योंकि इसी व्यवस्था के जरिए विश्वव्यापी समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है। पेरू के सुपीरियर कोर्ट की प्रेसीडेन्ट न्यायमूर्ति मारिया डेलफिना विडाल ला रोजा सांचेज ने कहा कि ग्लोबल गर्वनेंन्स का समय आ चुका है। हमें सोचना है कि राजनैतिक परिवेश को विश्व शांति की स्थापना के लिए इस्तेमाल किया जाए ताकि बच्चों व

आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आज एक प्रेस कान्फ्रेन्स में मुख्य न्यायाधीशों के विचारों का निचोड़ पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए सम्मेलन के संयोजक डा. जगदीश गाँधी, प्रख्यात शिक्षाविद् व संस्थापक, सी.एम.एस. ने बताया कि लगभग सभी मुख्य न्यायाधीशों, न्यायाशीशों व कानूनविदों की आम राय रही कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 51 (सी) विश्व की समस्याओं का एक मात्र समाधान है। सभी मुख्य न्यायाधीशों ने इस बात को माना कि मानवता की आवाज को बुलन्द करने की जरूरत है।

सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस ऐतिहासिक सम्मेलन का समापन सत्र आज सायं 6.30 बजे सी.एम.एस. गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) ऑडिटोरियम में सम्पन्न होगा। इस अवसर पर 61 देशों से पधारे न्यायविदों, कानूनविदों व अन्य प्रख्यात हस्तियों के सम्मान में रंगारंग साँस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया है। प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे।

लाभार्थियों को सब्सिडी आधार प्रमाणित खाते में प्रेषित की जायेगी:-कमल नयन सिंह

लाभार्थी अपनी गैस एजेन्सी से सम्पर्क कर अपनी ई-केवाईसी अवश्य करायें:-डी०एस०ओ०

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिलापूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने बताया है कि प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 02 गैस सिलेण्डर रिफिल वित्तीय वर्ष 2023–24 के प्रथम चरण में माह नवम्बर से दिसम्बर, 2023 तथा द्वितीय चरण माह जनवरी, 2024 से मार्च, 2024 के मध्य रिफिल बुक कराये जाने पर सब्सिडी उनके खाते पर वापस कर पूर्णतया निःशुल्क सिलेण्डर उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना के प्रथम चरण में गैस रिफिल बुक प्रचलित उपभोक्ता दर के अनुसार भुगतान कर 14.2 कि०ग्रा० का सिलेण्डर रिफिल प्राप्त करते है तो 03 से 04 दिन के उपरान्त योजनान्तर्गत दिये जाने वाली सब्सिडी उसके आधार प्रमाणित खाते ऑयल कम्पनी द्वारा प्रेषित की जायेगी। उक्त लाभार्थियों के अतिरिक्त शेष लाभार्थियों, जिनका आधार प्रमाणन नहीं हुआ है, का आधार प्रमाणन ऑयल कम्पनियोंध्गैस एजेन्सियों के माध्यम से अभियान चलाकर प्रचार–प्रसार कराया जायेगा। लाभार्थी अपने स्तर से अपनी गैस एजेन्सी से सम्पर्क कर अपनी ई–केवाईसी० अवश्य करायें, जिनकी ई–के0वाई0सी0 पहले से है, ऐसे लाभार्थियों को गैस एजेन्सी द्वारा जानकारी उपलब्ध करा दी जायेगी साथ ही गैस एजेन्सी पर जिनकी ई–के0वाई0सी0 पहले से है की सूची चस्पा कर दी जायेगी। जनपद के समस्त गैस लाभार्थी अपने कनेक्शन के 05 साल पूरे होने पर सुरक्षा गैस पाईप व गैस चूल्हा सुरक्षा जॉच अपनी गैस एजेन्सी से अवश्य करवाले, ताकि किसी प्रकार की असुविधा व जनहानि से बचा जा सके। प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना का लाभ उठाने के लिये व अधिक जानकारी के लिये अपनी गैस एजेन्सी अथवा नजदीकी गैस एजेन्सी, जिला समन्वयक उज्ज्वला योजनाध आई०ओ०सी० विक्रय अधिकारी मो0 9519999358, बी०पी०सी० विकय अधिकारी मो० 9130009877 व एच०पी०सी० विक्रय अधिकारी मो० 9816857451 से सम्पर्क करें।

रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय में आज अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता दिव्यांकुर 2023 का शुभारंभ मुख्य अतिथि, पद्मश्री, मालिनी अवस्थी, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक गायिका के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा समक्ष दीप प्रज्वलित कर संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने छात्र–छात्राओं से कहा कि, केकेसी के प्रांगण में आकर उन्हें अपने परिवार में आने जैसा लग रहा है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान उत्तर प्रदेश की धरोहरो में से एक है। उन्होंने कॉलेज से अपने पारिवारिक संबंध बताते हुए विशेष आदर व्यक्त किया। संस्कृति के रंग माटी के सन्ग, थीम पर आधारित दिव्यांकुर को लेकर उन्होंने विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संस्कृति कई पीढ़ियों से प्रवाहित होकर आगे बढ़ती है।गीतों, रीति रिवाजों, अभिव्यक्तियों, प्रतीको, चिन्हो और त्यौहारों से परिलक्षित होती हुई यह पल्लवी होती है। उन्होंने लोक गीतों को संस्कृति का सबसे बड़ा संवाहक बताते हुए कहा कि, घर की स्त्रियों ने लोकगीतो के माध्यम से संस्कृति का सबसे ज्यादा संरक्षण किया है। उन्होंने कहा कि हम, हमारी मां, दादी और नानी के मुंह से अनेकों लोकगीत को सुनते और लोकाचारों को देखते हुए बड़े होते हैं।

यह कहना गलत नहीं होगा कि, संस्कृति की मुख्यधारा वाली परंपराएं सबसे ज्यादा स्त्रियों के माध्यम से प्रवाहित हुई है। उन्होंने कहा कि, ऋषि मुनि वो होते हैं जो पहाड़ों, पर्वतों पर रहकर तपस्या करते हैं तो दूसरी तरफ स्त्रियां किसी तपस्विनी से कम नहीं जो घर में बैठकर घर को साधती हैं। उन्होंने छात्र – छात्राओं से कहा कि, मेरा जन्म कन्नौज में तथा विवाह कानपुर में हुआ किंतु पिताजी के जॉब में स्थानांतरण के कारण भोजपुरी लोकगीतो को सुनने, सीखने और समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि अगर वो गायिका नहीं होती तो निसंदेह लेखिका होती। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि, नई शिक्षा नीति, लोक संस्कृति को प्रवाहित करने में अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने अपने लोकप्रिय लोकगीत

रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे.... छात्र–छात्राओं को मनमोहक अंदाज में गा कर सुनाया और एक एक अन्तरे की व्याख्या भी छात्र–छात्राओं को सुनाई। उनकी हर व्याख्या पर छात्र छात्राओं ने जमकर के तालियां बजाई।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे वी.एन. मिश्र,अध्यक्ष, महाविद्यालय प्रबंध समिति ने कहा कि भविष्य में लोकगीतों तथा लोकाचारों पर महाविद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर पद्मश्री मालिनी अवस्थी की उपस्थिति में छात्र–छात्राओं की संस्कृति की समझ बढ़ाने वाला एक बड़ा कार्यक्रम किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के आरंभ में छात्र शुभम ने चदरिया झीनी रे झीनी......भजन गाकर सभी का मन मोह लिया। इसके बाद रेवांशु और उनकी टीम ने

बहे खून मेरा चमन के लिए...मेरी जान जाए वतन के लिए....कव्वाली सुना कर छात्रो की तालियां बटोरी।

महाविद्यालय प्राचार्य प्रो विनोद चंदा ने सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। उन्होंने अनेक महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से आए हुए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर प्रो पायल गुप्ता, संयोजक, संस्कृतिक समिति, ने 2 दिनों तक चलने वाले युवा सांस्कृतिक महोत्सव दिव्यांकुर 2023 की रूपरेखा से सभी को अवगत कराते हुए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

उन्होंने बताया कि, दिव्यांकुर 2023 में आज 25 से अधिक महाविद्यालय के लगभग 300 छात्र छात्राओं ने ष संस्कृति के रंग माटी के संगष थीम पर आधारित प्रतियोगिताओं, के प्रथम दिन, एकल गायन, सुगम संगीत, एकल नृत्य, शास्त्रीय गायन, स्वरचित काव्य, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, नुक्कड़ नाटक, कहानी लेखन एवम डिबेट सहित विविध सांस्कृतिक गतिविधियो मे प्रतिभाग किया।

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं में भारत की सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करते हुए इस पर फिदा हो जाने के अनेक कारण बताएं।

उद्घाटन समारोह का संचालन प्रोफेसर रश्मि सोनी ने किया।

डॉ अनामिका सक्सेना ने उद्घाटन सत्र के समापन पर सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयो के प्रतिभागी, अनेक शिक्षक एवम छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ ने लकड़ी से बने सबसे बड़े दिए से रोशनी के त्योहार में अदभुत छ्टा बिखेरी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रोशनी का त्योहार दिवाली जैसे जैसे करीब आ रहा है शहर का फैवरिट शॉपिंग डेस्टिनेशन फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ इसे भ्व्यतम समारोह में बदलने जा रहा है। इसके लिए फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ ने 5 नवंबर, 2023 को सबसे बड़ा लकड़ी का दीया बनाकर एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला मुकाम हासिल किया है।

यह विशाल दीया, पारंपरिक तेल के दीपक का एक विस्मयकारी प्रतिरूप है, मॉल के प्रवेश द्वार पर स्थापित किया गया है। यह पूरी तरह से शॉपर्स के अंदर पूरी तरह से दिवाली की वाइब्स जागृत करता है। इस विशालकाय दिए को बनाने का काम 30 अक्टूबर, 2023 से शुरू हुआ और 5 नवंबर, 2023 को समाप्त हुआ। पूरे निर्माण प्रक्रिया में कुशल कारीगरों, डिजाइनरों के साथ इस रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि को वास्तविकता में बदलने के लिए समर्पित एक भावुक टीम शामिल थी। शॉपर्स इतना बड़ा दीया देखकर चकित थे और उन्होंने बहुत सारे चित्र क्लिक किए और सुंदर यादें कैद कीं।

फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर संजीव सरन ने कहा, ष्हम इस सबसे बड़े दीये का अनावरण करते हुए बेहद रोमांचित हैं, जो हमारी जीवंत सांस्कृतिक विरासत और एकता की भावना को समर्पित है। यह आशा, प्रकाश और समृद्धि का प्रतीक है और यह लखनऊ के अद्भुत शॉपर्स के प्रति हमारा आभार का प्रतीक भी है जिन्होंने फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ को उत्सवों का केंद्र बना दिया है।

07 नवम्बर को बदलापुर महोत्सव में रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के क्रम में 'मिशन रोजगार कार्यक्रम' के अन्तर्गत सेवायोजन विभाग एवं कौशल विकास विभाग के द्वारा 07 नवम्बर 2023 को प्रातः 10.00 बजे सल्तनत बहादुर इण्टर कालेज बदलापुर में आयोजित शबदलापुर महोत्सवश में रोजगार मेला' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें निजी क्षेत्र की 20 से अधिक कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार प्रदान किया जायेगा। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक, परास्नातक, आई0टी0आई0, डिप्लोमा एवं अन्य शैक्षिक योग्यता व जिनकी आयुसीमा 18 से 35 वर्ष तक है ऐसे अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है। रोजगार मेले में युवाओं की कैरियर कॉउन्सिलिंग, कौशल विकास मिशन में प्रवेश एवं स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जायेगी।

जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकान्त सरोज ने बताया कि इस रोजगार मेला में सम्मिलित होकर बेरोजगार छात्र–छात्राएं अधिक से अधिक लाभ उठाए एवं कौशल विकास मिशन में निःशुल्क प्रशिक्षण के अवसर एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा रोजगार मेले में अभ्यर्थी अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी पूफ्र, बायोडाटा सहित प्रतिभाग कर सकते है।

अखिलेश यादव बोले : इस बार अपना दल(कमेरावादी) को देंगे अधिक सीट

लखनऊ (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगामी लोकसभा चुनाव में अपना दल (कमेरावादी) को विधानसभा चुनाव के मुकाबले बेहतर भागीदारी देने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में कमेरावादी को सीटें देने में कुछ कंजूसी हो गई थी, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। अखिलेश अपना दल (कमेरावादी) के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। अखिलेश ने कहा कि अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल ने यूपी सरकार के ताकतवर उप मुख्यमंत्री (केशव प्रसाद मौर्य) को जिस तरह से हराया है उससे स्पष्ट है कि अपना दल की जमीनी तौर पर पकड़ मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में जब पल्लवी पटेल खड़ी होती हैं, तो वह रास्ता देखते हैं।

हिंदी में शुरू होगी प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई

लखनऊ (संवाददाता)। एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में शुरू करने के लिए पिछले साल से ही तैयारी शुरू हो गई थी। मध्य प्रदेश में इसे लागू कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में पिछले साल मेरठ के एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई शुरू की गई थी। कॉलेज की ओर से एमबीबीएस प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम से संबंधित किताबें हिंदी में तैयार की गई हैं। इसी तरह अन्य कॉलेजों ने भी अलग– अलग किताबें हिंदी में तैयार की हैं। अब इस वर्ष नए सत्र में इसे पूरी तरह से लागू करने का निर्देश दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह ने सभी मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों और केजीएमयू को पत्र भेजकर हिंदी में पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिया है। भेजे गए पत्र में कहा गया है कि 31 सितंबर को शासन की ओर से मेडिकल कॉलेजों में हिंदी में पढ़ाई शुरू करने का निर्देश दिया गया है। ऐसे में हिंदी में पठन– पाठन की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। मालूम हो कि एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों को एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायो–केमिस्ट्री पढ़ाई जाती है। इन विषयों की किताबें हिंदी में उपलब्ध हैं। एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो आरसी गुप्ता ने बताया कि हिंदी की किताब में तकनीकी शब्दावली अंग्रेजी में ही रखी गई है।

यूपी की सभी 80 सीटों में लड़ने को तैयार है कांग्रेस

लखनऊ (संवाददाता)। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की प्रदेश मुख्यालय पर हुई बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर रणनीति तैयार की गई। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि अल्पसंख्यक कांग्रेस का परंपरागत वोटबैंक रहा है।

18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहें सभी नवयुवक-युवतियों के मतदाता पहचान पत्र अवश्य बनवायें-उपजिलाधिकारी

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहाबाद–(हरदोई)' 155 विधान सभा शाहाबाद के ग्राम नस्योली डामर में तहसील शाहाबाद उप जिलाधिकारी पूनम भास्कर ने मतदाता पुनरीक्षण के संबंध में बैठक की तथा ग्रामवासियों से कहा कि जिन लोगों के अभी तक मतदाता पहचान पत्र नहीं बने है और जो 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे सभी नवयुवक–युवतियों के मतदाता पहचान पत्र अवश्य बनवायें। बैठक में ग्राम प्रधान एवं संभ्रान्त व्यक्ति आदि काफी संख्या में उपस्थित रहें।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।